संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.: CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक-013/रायगढ़/2020-2022

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -119 मंगलवार,28 फरवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये
मूल्य :-2/- पृष्ठ 08

अब अरविंद केजरीवाल के सामने आई कई चुनौतियां

नई दिल्ली,27 फरवरी 2023(ए)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद अब अरविंद केजरीवाल सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं। सत्येंद्र जैन के बाद दिल्ली सरकार के दूसरे बड़े मंत्री की गिरफ्तारी हुई है। मनीष सिसोदिया के पास 18 मंत्रालय की जिम्मेदारी है। सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के बाद से उनके छह मंत्रालय भी इन्हीं के पास हैं। सिसोदिया के पास दिल्ली सरकार के लगभग सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय हैं।

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति (2021-22) घोटाला मामले में पांच दिन यानी चार मार्च तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। सिसोदिया को अब सीबीआई मुख्यालय लाया गया है। सीबीआई ने कोर्ट में बताया कि सिसोदिया पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। साथ ही कहा कि आगे की जांच के लिए रिमांड जरूरी है।

ये विभाग हैं सिसोदिया के पास

इनमें शिक्षा, वित्त, योजना, भूमि और भवन, सेवाएं, पर्यटन, कला-संस्कृति और भाषा, जागरूकता, श्रम और रोजगार, लोक निर्माण विभाग के अलावा स्वास्थ्य, उद्योग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण व जल विभाग शामिल हैं। सिसोदिया दिल्ली सरकार में सबसे प्रभावशाली मंत्री है। राज्य सरकार के सभी बड़े मंत्रालय उन्हीं के पास हैं। सिसोदिया सीएम केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद नेता हैं। चुनौती ये है कि दिल्ली का अब बजट भी पेश होने वाला है।

दिल्ली का बजट होना है पेश

अरविंद केजरीवाल के सामने दिल्ली सरकार के बनाने के बाद से ये सबसे चुनौती सामने लग रही है। दिल्ली में कुछ दिनों बाद ही बजट पेश होना है। क्योंकि सिसोदिया के पास ही वित्त मंत्रालय है।

यह वह समय भी है, जब सरकार आगामी वित्त वर्ष के लिए बजट की तैयारी कर रही है। ऐसे में वित्त विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सिसोदिया सरकार में शुरू से ही वित्त मंत्री रहे हैं और आप सरकार के आने के बाद से सरकार का बजट 30 हजार करोड़ से 75000 करोड़ तक जा पहुंचा है, लेकिन यह सब कैसे आगे जारी रह पाएगा, यह भी एक सवाल है।

कौन पेश करेगा दिल्ली का बजट?

सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि उनकी अनुपस्थिति में दिल्ली का बजट कौन पेश करेगा। अब तक की योजना के अनुसार, बजट सत्र 13 या 14 मार्च से शुरू किया जाना था। अभी बजट बनाने का काम चल रहा है। सभी विभाग बजट में अपने-अपने लिए धनराशि की मांग रख रहे हैं, जिन्हें समायोजित कर बजट बनाया जाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो बजट एक ऐसी प्रक्रिया है, जो जल्द नेताओं और अधिकारियों की समझ में नहीं आती है। अब कुल मिलाकर सरकार में कैलाश गहलोत ही एक ऐसे मंत्री हैं, जो अनुभवी हैं। माना जा रहा है कि गहलोत ही बजट पेश कर सकते हैं, लेकिन यह उनके लिए भी आसान नहीं होगा और उन्हें इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

सत्येंद्र जैन से गिरफ्तारी के बाद विभाग लिए लेकिन नहीं लिया मंत्री पद

दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनसे सभी विभाग लेकर सिसोदिया को सौंप दिए थे, लेकिन मंत्री पद अभी भी उनके पास हैं। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि उन्हें जान-बूझकर फंसाया गया है। अगर सिसोदिया के साथ ही ऐसी स्थिति बनती है तो उनके विभाग किसके पास जाएंगे, यह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास बड़ी चुनौती होगी।

अगले साल लोकसभा चुनाव, और भी कई चुनौतियां

अगले साल लोकसभा चुनाव भी होने वाले हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी देशभर में विस्तार भी कर रही है। पार्टी दिल्ली के शिक्षा मॉडल को देशभर में भुनाती है। जबकि शिक्षा मंत्रालय सिसोदिया के पास ही है। इस साल और अगले साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव और 2024 में लोकसभा चुनाव भी होने हैं। अगर सिसोदिया का मामला लंबा चला तो अरविंद केजरीवाल के सामने कई चुनौतियां होंगी, जिनका सामना करना होगा और उन्हें हल करना होगा।

गड़े मुर्दे मत उखाड़ो, हिन्दू धर्म कोई धर्म नहीं, जीवन जीने का तरीका है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,27 फरवरी 2023(ए)। सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका को

खारिज कर दिया, जिसमें विदेशी आक्रमणकारियों के नाम पर रखे गए सड़कों, शहरों और स्थानों का नाम बदलने के लिए केंद्र सरकार को एक आयोग नियुक्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

सोनिया गांधी से लेकर मनीष सिसोदिया तक सीबीआई और ईडी के निशाने पर आए विपक्षी नेता

नई दिल्ली,27 फरवरी 2023 (ए)। दो दशकों में केंद्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर आए विपक्षी नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। सोनिया गांधी से लेकर मनीष सिसोदिया तक, अनेक बड़े नेता जांच एजेंसी के फेर में आ चुके हैं। यूपीए के शासनकाल (2004-2014) में सीबीआई ने जिन नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया, उनमें विपक्ष के नेताओं की संख्या लगभग 60 फीसदी थी। उस उस दौरान 72 नेताओं को सीबीआई जांच का सामना करना पड़ा। इस हिसाब से जांच के दायरे में आए

43 नेता, विपक्षी दलों के थे। एनडीए सरकार में यह संख्या बढ़कर 95 फीसदी तक पहुंच गई है। 2014 से लेकर गत वर्ष तक लगभग 125 बड़े नेता सीबीआई जांच के फेर में आए हैं। खास बात है कि इनमें से लगभग 120 नेता विपक्षी दलों के हैं। ईडी का रिकॉर्ड भी कुछ ऐसा ही है। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में केंद्रीय एजेंसी 'ईडी' के 112 छापे पड़े थे। कांग्रेस के मुताबिक, एनडीए सरकार यानी पीएम मोदी की सरकार में ईडी की 3010 से अधिक छापेमारी हुई हैं।

मनीष सिसोदिया 5 दिनों की सीबीआई रिमांड में भेजे गए

नई दिल्ली,27 फरवरी 2023 (ए)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। सिसोदिया को 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजने का फैसला सुनाया गया है। सोमवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट से सिसोदिया की 5 दिन की रिमांड मांगी थी। इसको स्वीकार करते हुए कोर्ट ने सिसोदिया को 4 मार्च तक के लिए सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है। सीबीआई की एफ आई आर में आरोपी नंबर 1 के रूप में नामजद मनीष सिसोदिया इससे पहले पिछले साल 17 अक्टूबर को पूछताछ की गई थी गुण मिलान इसके 1 महीने बाद पिछले साल 25 नवंबर को एजेंसी ने अपनी चार्जशीट दाखिल की थी और सीबीआई ने चार्जशीट में सिसोदिया को नामजद नहीं किया था क्योंकि तब जांच एजेंसी ने उनके और अन्य संदिग्धों तथा आरोपियों के खिलाफ जांच खुली रखी थी। मनीष सिसोदिया को 2021-22 के लिए समिति के विभिन्न पहलुओं को लगभग 9 घंटे की पूछताछ के बाद रविवार शाम गिरफ्तार किया गया था।

पेपरलीक के मास्टर माइंड सारण की रिमांड अवधि नौ दिन बढ़ी

उदयपुर ,27 फरवरी 2023(ए)। सीनियर टीचर भर्ती के पेपरलीक मामले में मास्टर माइंड भूपेंद्र सारण को रिमांड अवधि और नौ दिन बढ़ाई गई है। तीन दिन की रिमांड अवधि के रिमांड अवधि खत्म होने पर पुलिस ने सोमवार दोपहर बाद उसे उदयपुर की अदालत में पेश किया, जहां सह आरोपी राजीव उपाध्याय तथा फरार आरोपी शेरसिंह के पकड़े जाने पर आमने–सामने पूछताछ के लिए उसकी रिमांड अवधि बढ़ाए जाने की मांग की थी। जिसे अदालत ने मंजूर करते हुए सारण को और नौ दिन के लिए पुलिस रिमांड पर सौंप दिया, वहीं सह आरोपी राजीव उपाध्याय को भी चार दिन के रिमांड पर सौंपा है।

मामले के अनुसंधान अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक ने बताया कि पेपर लीक मामले को लेकर जल्द ही बड़े खुलासे किए जाएंगे। फिलहाल मुख्य आरोपी भूपेंद्र सारण और सह आरोपी राजीव उपाध्याय को आमने–सामने पूछताछ की जरूरत है। सारण की गिरफ्तारी के बाद बीती रात ही राजीव उपाध्याय को पुलिस गिरफ्तार कर पाई थी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन भी आरोपियों से पूछतार के लिए उदयपुर में बने हुए हैं।

दस टीमें शेरसिंह की तलाश में जुटी,

जिसके लिए 40 लाख में सारण ने खरीदा था पेपर

अनुसंधान अधिकारी ने बताया कि पेपर लीक मामले में एक और मुख्य आरोपी चौंमू निवासी शिक्षक शेरसिंह मीणा है, जिसकी तलाश के लिए दस टीमें जुटी है। उसी के लिए सारण ने चालीस लाख में पेपर खरीदा था। वह जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही पेपरलीक का मुख्य खुलासा हो पाएगा। शेरसिंह आबू रोड के सरकारी स्कूल में हैड मास्टर है तथा पिण्डवाड़ा में रहता था। उदयपुर पुलिस की 10 टीमें आबू रोड, चौंमू, जयपुर, जालोर और आस-पास के क्षेत्रों में उसकी तलाश कर रही है।

बेंगलुरु से पकड़ा गया था सारण

उल्लेखनीय है कि पेपर लीक का मास्टर माइंड भूपेन्द्र को एसओजी, एटीएस और उदयपुर जिला विशेष टीम ने गत गुरुवार को बेंगलूरु से गिरफ्तार किया था। इससे पहले उदयपुर की बेकरिया थाना पुलिस ने पिछले साल 24 दिसंबर को हेमा गुड़ा (सांचोर) निवासी सरकारी स्कूल के हैड मास्टर सुरेश कुमार पुत्र जगदीश विश्नोई को शिक्षक भर्ती परीक्षा में जीके का लीक पेपर बस में अभ्यर्थियों को हल करवाते गिरफ्तार किया था। उसके साथ अन्य 57 आरोपियों को भी पकड़ा था। सुरेश विश्नोई अभी भी जेल में है। जबकि 54 आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। हालांकि उनकी जमानत रद्द करने के लिए उदयपुर पुलिस ने राजस्थान हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर रखा है।

अग्निवीर योजना पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

देश और सेना के हित में बताया

नई दिल्ली ,27 फरवरी 2023 (ए)। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना में हस्तक्षेप से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। उच्च न्यायालय ने अग्निवीरों की भर्ती के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की योजना के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि योजना में हस्तक्षेप के लिए कोई वजह नहीं मिली है और इसलिए सभी याचिकाओं को खारिज किया जाता है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रहमण्यम प्रसाद की बेंच ने अग्निवीर योजना के खिलाफ दाखिल अर्जियों पर सुनवाई की थी। अग्निवीर योजना के खिलाफ दाखिल अर्जियों में इसके विरोध में कई तरह की बातें कही गई थीं। कोर्ट ने कहा कि ये सेना के भविष्य और उसके ताकतवर बनाने के लिए शुरू की गई है।

केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर की भर्ती की योजना 14 जून 2022 को लागू की थी। इस योजना के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना में 4 साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जा रही है। भर्ती किए जा रहे अग्निवीरों में से 25 फीसदी को उनके कामकाज के आधार पर सेना में आगे भी रखा जाएगा। बाकी को करीब 12 लाख रुपए 4 साल की सेवा के बाद मिलेंगे। इस योजना में अग्निवीरों को कोई पेंशन नहीं दी जाएगी। हालांकि, 4 साल की सेवा के दौरान अग्निवीरों को तनख्वाह के साथ अन्य जवानों को मिलने वाली सभी सुविधाएं मिलेंगी।

अग्निवीर योजना को पहले सीडीएस रहे जनरल बिपिन रावत ने तैयार किया था। उनके निधन के बाद योजना को लागू किया गया। अग्निवीरों की भर्ती के खिलाफ विपक्षी दलों ने खूब हंगामा किया था। इसके अलावा जगह-जगह इसके विरोध में हुए आंदोलन के दौरान हिंसा भी हुई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने साफ कर दिया था कि वो अग्निवीर योजना को वापस नहीं लेगी। इसके बाद अग्निवीरों का पहला बैच सेना, नौसेना और वायुसेना में शामिल भी किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बांग्लादेशियों ने मचाया उत्पात

बीएसएफ जवानों पर जानलेवा हमला कर हथियार लूट कर भागे

बेरहामपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों पर 100 से अधिक बांग्लादेशी बदमाशों और ग्रामीणों द्वारा हमला किया गया है। इस घटना में 2 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बांग्लादेशी किसान अपने मवेशियों को चराने के लिए भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि यह घटना निर्मलचर सीमा चौकी के पास उस समय हुई जब 35वीं बटालियन के दो जवान गश्त कर रहे थे।

बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, भारतीय किसानों ने शिकायत की थी कि बांग्लादेश के किसान कथित तौर पर मवेशियों को चराने के लिए उनके खेतों में घुस जाते हैं और जानबूझकर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। बीएसएफ के जवानों ने किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीमा के पास अस्थायी रूप से एक चौकी स्थापित की थी।

रविवार को जब क्षेत्र में गश्त कर रहे दो जवानों ने बांग्लादेशी किसानों को अपने मवेशियों को सीमा पार लाने से रोकने की कोशिश की तो दर्जनों बदमाशों ने उन पर लाठी-डंडों और तेज धार वाले औजारों से हमला कर दिया, जो मुख्य रूप से खेती में काम आते हैं। बयान में कहा गया है, हमले में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। बदमाश उनके हथियार छीनने के बाद बांग्लादेश भाग गए।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज

कहा- सब जानते हैं रिमोट कंट्रोल किसके पास है

बेलगावी,27 फरवरी 2023 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बेलगावी में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा तंज कसा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में पूर्ण अधिवेशन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ÷मैं मल्लिकार्जुन खरगे जी का बहुत सम्मान करता हूं। अभी कांग्रेस का अधिवेशन चल रहा था, वो सबसे सीनियर हैं। धूप थी, लेकिन धूप में छतरी का सौभाग्य खरगे जी को नसीब नहीं हुआ और छाता किसी और के लिए लगा था।

कांग्रेस पार्टी द्वारा हुआ खरगे का अपमान

उन्होंने नेहरू-गाधी परिवार पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस प्रमुख की वरिष्ठता और उम्र के बावजूद खरगे का पार्टी द्वारा अपमान और अनादर किया गया। जाहिर तौर पर यह एक परिवार के पक्ष में नेहरू-गांधी परिवार को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ÷मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कर्नाटक के नेताओं का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति का हिस्सा है।

कर्नाटक के एक और नेता का हुआ अपमान

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का परिवार जिस किसी से भी परेशान महसूस करता है, उसी पार्टी में उनका अनादर शुरू हो जाता है। परिवार के सामने एस निजलिंगप्पा और वीरेंद्र पाटिल जैसे नेताओं के अपमान का इतिहास गवाह है। इसे कर्नाटक के सभी लोग जानते हैं। उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि अब एक बार फिर, कर्नाटक के एक और नेता का परिवार के वफादारों द्वारा अपमान किया गया है।

खरगे के साथ जो हुआ वह दुखद

पीएम मोदी ने कहा, ÷मैं इस धरती के सपूत मल्लिकार्जुन खरगे का बहुत सम्मान करता हूं। उनके पास करीब 50 सालों का संसदीय और विधायिका का अनुभव है। वह उनलोगों की सेवा में जो भी कुछ कर सकते थे, उन्होंने करने की कोशिश की है। हालांकि मुझे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान उनके साथ जो व्यवहार किया गया उसको देखकर बहुत दुख हुआ। खरगे पार्टी के अध्यक्ष हैं और उम्र में बड़े हैं।÷

कांग्रेस अध्यक्ष को नहीं हुआ छतरी का सौभाग्य

उन्होंने कहा कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान छतरी का सौभाग्य कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को नसीब नहीं हुआ और छाता किसी और के लिए लगा था। इससे पता चलता है कि खरगे सिर्फ निमित्त कांग्रेस अध्यक्ष हैं और उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है।

त्रिपुरा में बीजेपी की फिर बनेगी सरकार

पहले से अधिक सीटें जीतने का दावा

त्रिपुरा ,27 फरवरी 2023(ए)। देश के पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में आज विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। इन राज्यों में मतदान संपन्न होने के बाद कई न्यूज चैनल और एजेंसियों ने एग्जिट पोल जारी किए हैं। इंडिया टुडे और एक्सिस माई इंडिया ने त्रिपुरा को लेकर एग्जिल पोज जारी किया है। इंडिया टुडे के मुताबिक त्रिपुरा में एक बार फिर से बीजेपी की सरकार आती दिख रही है। एक्सिस माई इंडिया के सर्वे का दावा है कि राज्य में बीजेपी इस बार पहले ज्यादा सीटें जीतकर सत्ता को बरकरार रखने में सफल हो सकती है।एग्जिट पोल के मुताबिक, बीजेपी को राज्य में 45 फीसदी वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। वहीं लेफ्ट और कांग्रेस के खाते में 32 फीसदी , टीएमपी को 20 फीसदी और अन्य के खाते में करीब 3 फीसदी जाने की उम्मीद जाताई जा रही है।

संपादकीय

देश में छापे ही छापे!

भारत छापों का देश हो गया है। चारों तरफ छापे पड़ रहे हैं। देश के आठ राज्यों में एनआईए के छापे हैं तो 11 राज्यों में आयकर विभाग के छापे हैं। सीबीआई और ईडी के अलग छापे हैं। सोचें, राजधानी दिल्ली में एक समय आए दिन बिक्री कर या वैट से जुड़े छापे पड़ते थे। अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनाव प्रचार में इसे मुद्दा बनाया था और कारोबारियों को भरोसा दिलाया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे छापे बंद कराएंगे। उन्होंने सरकार बनने के बाद सचमुच छापे रोक दिए और वसूली भी बढ़ गई। बाद में जीएसटी आ गई तो छापे लगभग पूरे देश में ही बंद हो गए। लेकिन उसी अनुपात में सीबीआई, ईडी, आयकर और एनआईए के पूरे देश में छापे शुरू हो गए हैं। कोई दिन ऐसा नहीं होता है, जब कोई न कोई एजेंसी कहीं छापा नहीं मार रही होती है। हालांकि अंतिम कार्रवाई कहीं नहीं हो रही है। कोई भी जांच किसी नतीजे पर नहीं पहुंच रही है। किसी को सजा नहीं हो रही है लेकिन छापे धड़ाधड़ पड़ रहे हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनआईए ने आठ राज्यों में 76 जगह छापे मारे। ये छापे दो गैंगेस्टरों को लेकर हैं। वे गैंगेस्टर भी हैं और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों से उनके संबंध हैं, वे आतंकवाद फैलाते हैं और टेरर फंडिंग करते हैं। कथित तौर पर किसी के तार कनाडा से जुड़े हैं तो किसी के पाकिस्तान से। कहीं गैंगेस्टरों को लेकर है, कहीं आतंकवादियों को लेकर है तो कहीं नक्सलियों को लेकर है। लेकिन कश्मीर से कन्याकुमारी तक एनआईए के छापे हैं। मंगलवार को जिस समय एनआईए की छापेमारी चल रही थी उसी समय सीबीआई न एफसीआई द्वारा खराब क्वालिटी का अनाज खरीदने के मामले में पंजाब में 50 जगह छापे मारे। पंजाब में एनआईए की कार्रवाई चल रही थी तो साथ ही सीबीआई की भी चल रही थी। उसी समय यानी मंगलवार को ही यूफ्लेक्स कंपनी के नोएडा सहित देश के 11 राज्यों में 64 जगहों पर आयकर विभाग की छापेमारी चल रही थी। अभी कुछ ही दिन पहले आयकर विभाग ने बीबीसी में सर्वे किया था। बहरहाल, पिछले हफ्ते ईडी ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दो विधायकों, कोषाध्यक्ष सहित आठ लोगों के दर्जनों ठिकानों पर छापेमारी की थी।

राजनीति : नीतीश के मन में क्या है

पिछले कुछ महीनों में शायद ही ऐसा कोई सप्ताह होगा जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को आगामी लोक सभा चुनाव में पराजित करने संबंधी वक्तव्य न दिया हो।

बिहार ही नहीं देश भर में रहने वाले बिहार के निवासियों से आप बात करिए तो वे यही कहेंगे कि नीतीश को राजनीति करनी है करें लेकिन बिहार की जनता ने उनको भाजपा के साथ मुख्यमंत्री बनाया उसकी जिम्मेवारी का पालन जरूर करें।

तो क्या लोगों की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि नीतीश की प्राथमिकता में शासन-प्रशासन से ज्यादा भाजपा विरोधी राजनीति है? ऐसा है तो इसके परिणाम क्या आ रहे हैं? बिहार काफी समय से कानून व्यवस्था के मोर्चे पर कमजोर होते जाने के साथ शिक्षा व्यवस्था के पतन, विकास के कार्यों की मंद गति आदि से बुरी तरह ग्रस्त है। किसी सरकार का मुख्य फोकस होना चाहिए कि कैसे बिहार में कानून व्यवस्था पटरी पर आए, अर्थव्यवस्था संभले, शिक्षा तंत्र अपनी स्वाभाविक भूमिका में लौटे। आप प्रदेश का कोई भी समाचारपत्र उठा लीजिए, वेबसाइट देख लीजिए सरेआम गोली चलने, मारपीट, हत्या आदि की खबरें आपको विचलित करेंगी। स्वयं शिक्षक और शिक्षा तंत्र में शीर्ष पर बैठे लोग आप को अपनी ही व्यवस्था से शिकायत करते मिल जाएंगे। परीक्षाएं नकल और कदाचार की पर्याय हैं। विविद्यालयों की दशा कोई भी जाकर देख सकता है। विज्ञान के किसी शिक्षक से बात करिए और वो ईमानदार हैं तो बताएंगे कि पहले कम से कम प्रैक्टिकल में उनके पास कुछ लोग पैरवी करने आ जाते थे ताकि परीक्षार्थी को अच्छे अंक मिल सकें।

अब उसके लिए भी नहीं आते क्योंकि हमें सबको पास कर देना है। लोग अपने बच्चों को निजी संस्थानों या कोचिंग में पढ़ाने के लिए विवश हैं। यही स्थिति कानून-व्यवस्था के मामले में भी है। भय पूरे माहौल में है कि कहीं 90 के दशक वाली स्थिति पैदा न हो जाए। आप वहां निर्माण का काम करने वाले या छोटे-मोटे व्यापार करने वालों के बीच सर्वे कर लीजिए। आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो बताएंगे कि उन्हें काम करने के लिए दादागिरी टैक्स देना पड़ रहा है। धमकी-मारपीट से लेकर कई तरह से परेशानियां सामने आती हैं। ज्यादातर लोग पुलिस में शिकायत करने से बचते हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार, अनदेखी और स्थानीय-प्रादेशिक राजनीतिक संरक्षण के कारण शराब और मादक द्रव्यों का भयानक तंत्र पूरे प्रदेश में विकसित है। इन अस्वीकार्य परिस्थितियों के रहते कोई कैसे मान ले कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता में राज्य का विकास और सुशासन है? क्या कोई बता सकता है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य के लिए कोई बड़ी नियोजित बैठक की है कि बिहार को हमें सामाजिक-आर्थिक विकास में अन्य राज्यों से आगे ले जाना है? नीतीश और तेजस्वी पड़ोस के उत्तर प्रदेश को देखें। योगी आदित्यनाथ के भगवा को लेकर राजनीतिक टिप्पणी आप करिए, लेकिन देखें कि आर्थिक-सामाजिक-विकास, सांस्कृतिक संरक्षण तथा कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश किस तरह देश के शीर्ष राज्यों की कतार में खड़ा हो गया है? अभी लखनऊ में 2 दिनों के निवेशक सम्मेलन का वह दृश्य उत्तर प्रदेश में पहले दुर्लभ था।

हम नहीं कहते कि जितने एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, सारे धरती पर उतर ही जाएंगे लेकिन देश और बाहर के पूंजी निवेशक, कारोबारी, उद्योगपति उप्र में पूंजी लगाने तथा काम करने की घोषणा करते हैं, तो यह 2017 के पहले की स्थिति को देखते हुए सामान्य तस्वीर नहीं है। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ के मुंबई दौरे में फिल्मी दुनिया से जुड़े लोग भी उनकी बैठकों में शामिल होकर उम्मीद करते हैं कि भविष्य में उप्र फिल्म निर्माण का बड़ा केंद्र होगा। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर तो बहुत कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। हालांकि कानपुर और बांदा जैसी घटनाएं निश्चित रूप से परेशान करती हैं किंतु कोई भी कह सकता है कि यह उप्र के लिए सामान्य स्थिति नहीं, बल्कि अपवाद है। उत्तर प्रदेश में तीर्थयात्रियों व पर्यटकों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। क्या बिहार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इससे सीख नहीं ले सकते? योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम भी राजनीति करती है, लेकिन राजनीतिक ताकत के लिए मोदी की थीम बहुत सीधी है-विकास और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर उच्चतम स्तर पर जाने का लक्ष्य रखिए, समाज के निचले तबके तक विकास और कल्याण कार्यक्रमों को पहुंचाने, नई पीढ़ी के लिए बेहतर शिक्षा और हरसंभव रोजगार पर काम करिए, धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक महत्त्व के स्थानों का विकास करते हुए उन्हें संरक्षण दीजिए। आपको राजनीतिक सफलता का ठोस आधार मिल जाएगा।

नीतीश और तेजस्वी को भाजपा से मुकाबला करना है तो उनकी जो अच्छाइयां हैं, उन्हें अपनाने की कोशिश करें। आखिर, मोदी राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो उन्होंने लोगों के सामने गुजरात में अपने कार्यों को रखा जिसे मीडिया ने गुजरात मॉडल का नाम दिया। लोग यह तो सोचेंगे कि मोदी के मुकाबले नीतीश अगर विपक्षी दलों का गठबंधन कर सरकार का स्थानापन्न करना चाहते हैं, तो विकास, कानून और व्यवस्था आदि के मुद्दे पर उनके तरकश में क्या है? अगर आपके पास लोगों को दिखाने और विश्वास दिलाने के लिए इन मामलों में सफलताएं हैं, तभी आपकी राजनीति को ताकत मिल सकती है। केवल मोदी हटाओ और विपक्षी दलों को एक करो का नारा पहले भी असफल रहा है। कारण, इनके पास मोदी और भाजपा के समानांतर जनता को विश्वास दिलाने के लिए उपलब्धियों का ठोस आधार नहीं रहा।

इसे बिहार का दुर्भाग्य कहेंगे कि जब-जब लोगों को उम्मीद बनती है तभी नेता का माथा घूम जाता है। नीतीश ने 2005 से 2010 के बीच जिस तरह काम किया उससे बिहार के साथ पूरे देश में उम्मीद बढ़ी। भाजपा का उन्हें पूरा साथ मिला। जब से उनके अंदर राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं कुलांचे मारने लगीं, सुशासन हाशिए पर चला गया। लगता नहीं कि नीतीश शांत मन से बैठकर इस दिशा में विचार करने के लिए किंचित भी तैयार हैं। उनके साथ के लोगों को तो लगता ही नहीं कि शासन-प्रशासन से कोई सरोकार हो। स्वाभाविक ही समय आने पर बिहार के लोग अपनी प्रतिक्रिया देंगे।

अवधेश कुमार

पिज्जा

हाईवे पर बने विशाल फूड जोन में केवला को नौकरी मिल गई थी। बस, कोने में खड़े रहना था और टेबल खाली होते ही उस पर पड़ी डिसें और नैपकिन सहित सारे कचरे को उठाकर डस्टबीन में डाल कर टेबल साफ करना था। पहले ही दिन महंगी गाड़ियों से आने वाले सुसंस्कृत लोगों को खाना खराब करते देख केवला को बहुत गुस्सा आया था, पर वहां वह कुछ कह नहीं सकता था।

घर में मर गए बेटे के नन्हे से बच्चे को सूखी रोटी और लहसुन की चटनी खिलाते समय वह यही सिखाता था कि भोजन भगवान है, इसलिए इसे चूर भर भी थाली में नहीं छोड़ना चाहिए। पर उस हिसाब से देखा जाए तो यहां तो सभी थोड़ा-थोड़ा भगवान को छोड़कर चले जाते हैं। टेबल साफ करते समय केवला माफी मांगते हुए कहता कि भगवान इन्हें माफ करना।

वहां खाने की चीजों के भाव अंग्रेजी में लिखे थे, इसलिए उसे पता नहीं चला कि कौन चीज कितने की है। पर जिस दिन उसे पता चला कि एक छोटी सी रोटी, जिस पर कुछ लगा होता है, लोग उसे पिज्जा कहते हैं, उसका भाव उसके एक सप्ताह के वेतन के बराबर है, उस दिन उसे सारी रात नींद नहीं आई थी।

रोज-रोज आने वालों तमाम लोग उस पिज्जा को खाते थे। खास कर छोटे बच्चे तो जिद कर के उसे मंगाते। जब भी केवला छोटे बच्चों को पिज्जा खाते देखता, उसे अपने पौत्र दीनू की याद आ जाती। बूढ़े केवला के दिल में एक युवा इच्छा जाग उठी कि एक दिन वह अपने दीनू को पिज्जा जरूर खिलाएगा।

साढ़े सात सौ में कितने दिन का राशन आ जाएग, यह सोच कर केवला पीछे हट जाता। पर एक दिन उसे लगा कि यहां रोजाना बच्चे खुशी खुशी पिज्जा खाते हैं तो उसके दीनू ने कौन सा गुनाह किया है? केवला खुद्दार था, इसलिए वह पिज्जा मांग नहीं सकता था। आखिर उसने पूरे एक महीने दो घंटे अधिक काम कर के पिज्जा खरीद ही लिया। शाम को छुट्टी होने पर वह पिज्जा ले कर घर पहुंचा। डिब्बे में देना अच्छा नहीं लगा, इसलिए उसने टूटी-फूटी थाली में निकाल कर दीनू के आगे पिज्जा रख दिया। दीनू उसे प्यार से देखने लगा। केवला को लग रहा था कि पिज्जा मुंह में रखते ही दीनू उछल पड़ेगा। दीनू ने ऐसी रोटी पहली बार देखी थी। एक टुकड़ा तोड़कर मुंह में रख कर जोर से बोला, दादा यह तो एकदम फीका है, थोड़ी लहसुन की चटनी दो न।

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

कविता गंध बिखेरती

कविता स्वप्न सँवारती,
भाव भरे उर इत्र।
जीवन पुस्तक में गढ़े,
रुचिर सफलता चित्र।।
कविता गंध बिखेरती,
कविता है जलजात।
बिन कविता के जग लगे,
श्वास रहित ज्यों गात।।
गीत सोरठा मनहरण, दोहा रोला छंद।
चौपाई हरिगीतिका, श्रोता करें पसंद।।
हिम सा शीतल शांत है,
कभी धधकती आग।।
विजयशालिनी अस्त्र है,
कविता मन का राग।।
कविता जो जन रच रहे,
रहते सदा प्रसन्न।
दुख पीड़ा संताप से,
कभी न होते खिन्न।
कषाय कल्मष से बचा,
करती है कल्याण।
कविता मानस में भरे,
प्रमुदित प्रेरक प्राण।

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा
उत्तरप्रदेश

जख्मी दिल

करीब इतने रहकर भी,
पास आ न सके,
छुअन की आस थी,
पर हाथ लगा न सके।
बेदर्द फ़िज़ा भी इतराता रहा हम पर,
सनम की आगोश में
प्यास बुझा न सके।
सनम की आँखों में
हम इतने डूब गए,
आस-पास कोई नजर
ही आ न सके।
ज़ालिम जमाना यूँ ही घूरता रहा हमें,
पर जमी हुई नजरें हम हटा न सके।
आँखों ही आँखों में बात होती रही,
दिल की बात जुबाँ तक,
हम ला न सके।
बेचारा दिल तड़पता रहा
चाहत की प्यास में,
मुस्कुराने की थी चाहत,
पर मुस्कुरा न सके।
दिलबर मेरा मुझसे रूठा भी नहीं है,
दिलबर का वादा तो
झूठा भी नहीं है।
लगता है समय का दौर
ही कुछ और है,जो
मझधार में फंसी हुई
कश्ती किनारा पा न सके।
एक दूजे को समझते रहे,समझाते रहे
पर दिल ए नादां को समझा न सके।
मिलन की आस,
बरसायत के इंतजार में
इस ज़ख्मी दिल को,
सिर्फ बहला ही सके।

महेन्द्र साहू
खलारीवाला
गुण्डरदेही बालोद
छत्तीसगढ़

अकेलापन

चाहकर भी किसी से ,
बात न कर पाना एक बड़ी मजबूरी
लगती हैं।
अकेलापन का दुख बड़ी सहमी
लगती है ।।
चाहत तो बहुत होती है रिश्तों की
मगर मन निभाने से डरती है ।
कही वो रिश्ते में दरार न आ जाए
ये डर हमेशा रहती है ।
अकेलापन का दुख , बड़ी सहमी
लगती है ।।
दिल कहती है की कोई नही है
ये जहा में तुम्हारा ।
तुम अकेले ही लड़ो
ये हिम्मत ही है साथ तुम्हारा ।
सारे रिश्ते नाते को
भूलने की नौबत आ जाती है ।
अकेलापन का दुख , बड़ी सहमी
लगती है।।
जहां देखो वहां सब दुश्मन ही नजर
आती है ।
कोई भलाई की बात कहे तो हमेशा
बुराई ही समझ में आती है
बस अपने आप को ही दिमाग
सच्चा बनती हैं।
अकेलापन की दुख , बड़ी सहमी
लगती है ।।
ना चाहिए साथ किसी का
ये जिन्दगी हमारी है , मर्जी भी
हमारी है ।
मर जाए तो भी क्या फर्क पड़ेगा ये
जहां को।
बस यही मन हर पल गुनगुनाती है
अकेलापन की दुख बड़ी सहमी
होती है।।

शुभम सिन्हा
छैलडोंगरी
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

गांधी के रामराज्य का सपना साकार कर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सरकार में शामिल किया था दिग्विजय सिंह ने

आज से साढे 24 वर्ष पूर्व सात दिसंबर 1993 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में श्री दिग्विजय सिंह जो की दिग्गी राजा के नाम से प्रसिद्ध थे शपथ लेने के साथ विगत एक सप्ताह की अनिष्चिता और ऊहापोह के बाद मध्यप्रदेश की आमजन के चेहरे पर खुशहाली उत्साह और प्रगति के प्रति आश्वस्तता का भव देखा गया ,दिग्विजय सिंह भारत जोड़ों यात्रा के सूत्रधार इससे भारत की राजनीति में कांग्रेस को एक नया मुकाम दिलाने वाले और जो कांग्रेस कार्यकर्ता घर बैठे थे उनको संघर्ष के लिए तैयार करने वाले ऐसे पहले कांग्रेस राजनेता है जिन्होंने अपनी धर्मपत्नी सहित माँ नर्मदा नदी की पैदल परिक्रमा पुरी की एवं वर्तमान में राज्यसभा सदस्य के रूप मैं देश की ज्वलंत समस्याओं को उठा रहे है साथ ही समाजवादी सोच का परिचय दे रहे हैं, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के साम्प्रदायिक संदेह के वातावरण से व्यथित जन सामान्य ने राहत की सांस ली,कांग्रेस के चले कूट मंथन में दिग्विजय सिंह ऐसे तपस्वी शालीन सम्मानित संघर्षशील मर्यादित कर्मशील नये मुख्यमंत्री के रूप में निकले जिन जिन लोगों के नाम मुख्यमंत्री के पद के दावेदारों के रूप में नाम उछले थे उससे कई अशुभ और अनिष्ठकारी आकांक्षाएं जन सामान्य और कांग्रेस जनों के मन में उठने लगी थी उनके बीच से दिग्विजय सिंह ऐसा प्रगतिशील अनुभवी और निरापद राजनीति की चयन निश्चित हो शुभ और नये युग की शुरूआत में हुआ तत्कालीन मध्यप्रदेश कांग्रेस ने उनसे बेहतर लोकप्रिय जन आस्था और विश्वास के प्रति के रूप में प्रदेश के सर्वोच्च पद क् लिये शायद कोई नेता नही मिलता दिग्विजय सिंह कई मायनों में अनूठे है ,संगठन,राजनीति और प्रशासन में लंबे और सम्मान पूर्ण अनुभव के बावजूद उनका काम करने का तरीका गुठीय और दलीय राजनीति से ऊपर रहा है स्पष्ट और वैचारिक और प्रतिबद्धताओं के होते हुये भी उनके संपर्क और सक्रियता का दायरा बहुत व्यापक है,वह देश के हर कांग्रेस कार्यकर्ता को व्यक्तिशःजानते हैं ,वह विराट जनधारा वाले जननेता है, शिष्टिता और शालीनता उनके सार्वजनिक आचरण का अगं है ऐसे उनको व्यक्तिगत खूबियों के चलते विधायक दल की बैठक में सर्वमान्य नेता माना गया आप समुचे देश की शुभकामनाएं उनके साथ थी पर निज परिस्थितियों में दिग्विजय सिंह ने प्रदेश की बागडोर संभाली थी सामने चुनोतियां जबरदस्त थी सारे प्रदेश में पूर्ववर्ती भाजपा शासन से मिला संदेह की वातावरण चारों और था भाजपा ने अपने शासन के दौरान जिस राजनीति को प्रोत्साहन दिया परिणाम स्वरूप प्रदेशवासियों के मन में राजनीतज्ञों के प्रति वितृष्णा और राजनीति मात्र के लिये ऊब किसी भी देष्काल में समाज और राज्य स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त नही थी ,दिग्विजय सिंह के शपथ लेके ही प्रदेश का वातावरण खुशनमा हुआ नई उमंग नया दौर की राजनीतिक शैली का उद्व हुआ ,उन्होंने अपने दल के सभी विशिष्ट नेताओं से प्रदेश के सर्वागीण विकास के लिये आशीष लिया दिग्विजय सिंह ने प्रतिद्वंवी को मित्र बनाने वाले राजनीति की नई शैली का सूत्रपात करते हुये एक पक्षीय उदारता का परिचय देते हुये विपक्ष के तत्कालीन नेता विक्रम वर्मा से राज्य विकास हेतु सहयोग लेने उनके निवास गये ,यही से प्रारंभ हुआ सत्ता इतिहास का मधुरतम दौर,की शुरूआत करते हुये सात दिसंबर 1993 को पदभार ग्रहण करने के तत्काल बाद दिग्विजय सिंह ने राज्य सचिवालय में अपनी पहली प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति नई सरकार की नीति कार्यक्रम और अपने दीर्घकालीन अनुभव को स्पष्ठ तरीके से प्रतिपादित किया ,अनुसूचितजाति,जनजाति,पिछड़ावर्ग ,अल्पसंख्यक और कमजोर वर्ग की जरूरतों और समस्याओं के प्रति दिग्विजय सिंह की जानकारी लेने समझने और उन्हे हल करने की सर्वथा अनोखी कार्यशैली का परिचय देकर नया संदेश दिया ,साम्प्रदायिक सद्दाव की बहाली अनुसूचितजाति,जनजाति,पिछड़ावर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग पर अत्याचार ना हो अधिकारियों को इस हेतु सशक्त हिदायतें दी गरीबी रेखा से नीचे जीवयापन करने वालों का जीवन स्तर सुधारा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने जिस ग्राम स्वराज्य राम राज्य की स्थापना इस देश मे कायम करने का सपना देखा था दिग्विजय सिंह ने देश में सबसे पहले उस सपने को साकार किया देश के संचार क्रान्ति के जनक स्व.राजीव गांधी जी को सोच पंचायती राज्य की स्थपना करने वाला पहला राज्य स्थापित करने का यश अर्जित किया यह एक बुनियादी परिवर्तन का इस परिवर्तन से सुदूर अंचलों और विकास की बाट जोहटे ग्रामीणों को बेहतर जीवन देने के लिये बराबर का भागीदार बनाया एवं समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को प्रथम श्रेणी मे लाये इस व्यवस्था के तहत विकास प्रतिक्रिया को निर्धारित करने का अधिकार पंचायतों और क्रियान्वयन का जिम्मा ग्रामीणवासियों को दिया नेतृत्व करने का अधिकार समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को दिया दिग्विजय सिंह की सरकार ने पंचायत चुनाव की घोषणा थी प्रत्युचरणो का दौर शुरू हुआ था दिग्विजय सिंह अपने फैसलों पर अडिग रहते थे उन्होंने स्वाधीन सत्ता की बढते कदम वापसी नही लिये पंचायत चुनाव से समाज में सदियों से शोषित वर्ग में चेतना का संचार किया। अनुसूचितजाति,जनजाति,महिलाओं एवं पिछड़ा वर्ग को निश्चित भागीदारी मिली महिलायें धूंधट से बाहर आई ग्राम पंचायत ही नही कई जिलों में खेतों में काम करने वाली महिलायें और पुरुष समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ साथ जिला सरकार के प्रमूख बने, एवं नगर पालिकाओं में अध्यक्ष के साथ महा नगरों मे महापौर तक बने ,एक समय था जब पंचायतों के पद पुष्तेनी होकर रह गये थे पर दिग्विजय सिंह के इस क्रान्तिकारी फैसले से प्रदेश में समतामूलक समाज की स्थापना हूई गांवों की तस्वीरों मे खुशहाली का रंग भरने लगा भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सत्ता के विकेंद्रीयकरण का यह फैसला सबसे चमकीला और महत्वपूर्ण था दिग्विजय सिंह के इस निर्णय को राष्ट्रीय ही नही अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री इंद्रकुमार गुजराल ने अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रीयों को लिखे पत्र में सुझाव दिये की मध्यप्रदेश में लागू पंचायती राज्य व्यवस्था एक आदर्श व्यवस्था है ,जिसको देश के सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों द्वारा की गई प्रशंसा एवं सफलताएं देखकर पार्टी में चल रही प्रतिक्रिया को स्तबध कर दिया आप आपने पहले कार्यकाल में पंचायती राज्य के आलावा प्रदेश के संवार्गीण विकास की दिशा में झुग्गीवासियों के अंधकार को जीवन में रोशनी लाने की एक बत्ती कनेक्शन निःशुल्क दिये गये व 31 मई 1998तक काबिज जनों को जमीन के पटटे राजीव गांधी आश्रय योजना बनाकर दिये पटटे धारियों को स्वामित्व सौपा, किसनों के जीवन को खुशहाल बनाने रे लिये पाँच हास पावर के विधुत कनेक्शन निशुल्क दिये दिग्विजय सिंह ने पिछड़ा वर्ग को 14प्रतिशत आरक्षण को बढाते हुये 27प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक कदम उठाया ,दलित वर्ग को दलित एजेंडा लागू कर दलित वर्ग का जीवन स्तर सुधारा ,आपने कार्यकाल में भी ग्रामीण जीवन को महत्वपूर्ण समस्याओं अविवाहित नामांतरण और बंटवारे के मामले निपटाने का अधिकार ग्राम पंचायतों को दिया ,महिलाओं का सशक्तिकरण किया, जल रोको अभियान की शुरूआत की कृषि नीति आदिवासी विकास परियोजनाओं अल्पसंख्यक उत्थान विकास के अभूतपूर्व निर्णय लिये गये ऐसे है हर दिल अजिज दिग्विजय सिंह।

विनोद सेन

जम्मू-कश्मीर : संविधान और लोकतंत्र,दोनों की रक्षा

सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू कश्मीर में विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसी के साथ इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के रास्ते की बड़ी बाधा दूर हो गई।

अब चाहे तो केंद्र सरकार वहां चुनाव कराने का फैसला ले सकती है। न्यायालय ने यह भी साफ कर दिया है कि परिसीमन पर प्रतिबंध से इंकार वाले इस निर्णय का जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून-2019 की वैधानिकता को चुनौती देने वाले प्रकरण की सुनवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में धारा -370 को शून्य किए जाने के केंद्र के फैसले के विरु द्ध शीर्ष अदालत की संविधान पीठ में अलग सुनवाई चल रही है। यह फैसला न्यायमूर्ति एसके कौल एवं एएस ओका की पीठ ने हाजी अब्दुल गनी खान और मोहम्मद अयूब मट्टू की याचिका पर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019, 31 अक्टूबर, 2019 को लागू कर दिया गया था। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने 6 मार्च, 2020 को परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा-3 के तहत इसके पुनर्गठन की अधिसूचना जारी की थी। इसी में शीर्ष अदालत की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग के गठन की बात कही गई थी। इसे भंग करने वाली याचिका में दावा किया गया था कि परिसीमन की कवायद संविधान की भावनाओं के विपरीत है। खैर, इसके लागू होने के बाद राज्य की भूमि ही नहीं, राजनीति का भी भूगोल बदल गया। सही मायनों में परिसीमन से भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं तो दूर हुई ही, अनुसूचित जाति/जनजातियों के लिए सीटें भी आरक्षित कर दी गई हैं। जब भी राज्य में चुनाव होगा, इसी रिपोर्ट के मुताबिक होगा क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने आयोग के गठन की वैधता को सही ठहराया है। जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी है। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता है।

लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनीयति का शिकार रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थीं, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा, आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। अप इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरिटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था। 2005 में इस फ्रंट ने लेह हिल डवलपमेंट काउंसिल की 26 में से 24 सीटें जीत ली थीं। इस सफलता के बाद इसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसी मुद्दे के आधार पर 2004 में थुप्स्तन छिवांग सांसद बने। 2014 में छिवांग भाजपा उम्मीदवार के रूप में लद्दाख से फिर सांसद बने। 2019 में भाजपा ने लद्दाख से जमयांग सेरिंग नामग्याल को उम्मीदवार बनाया और वे जीत गए। लेह-लद्दाख क्षेत्र विषम हिमालयी भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साल में छह माह लगभग बंद रहता है। सड़क मागरे और पुलों का विकास नहीं होने के कारण यहां के लोग अपने ही क्षेत्र में सिमट कर रह जाते हैं। जम्मू-कश्मीर में अंतिम बार 1995 में परिसीमन हुआ था। राज्य का विलोपित संविधान कहता था कि हर 10 साल में परिसीमन जारी रखते हुए जनसंख्सा के घनत्व के आधार पर विधानसभा और लोक सभा क्षेत्रों का निर्धारण होना चाहिए। इसी आधार पर राज्य में 2005 में परिसीमन होना था लेकिन 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने राज्य संविधान में संशोधन कर 2026 तक इस पर रोक लगा दी थी। बहाना बनाया कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े आने तक परिसीमन नहीं होगा। परिसीमन से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 111 सीटें थीं। इनमें से 24 सीटें पीओके में आती हैं। इस उम्मीद के चलते ये सीटें खाली रहती हैं कि एक न एक दिन पीओके भारत के कब्जे में आ जाएगा। बाकी 87 सीटों पर चुनाव होता है।

अब तक कश्मीर यानी घाटी में 46, जम्मू में 37 और लद्दाख में 4 विधानसभा सीटें हैं। 2011 की जनगणना के आधार पर राज्य में जम्मू संभाग की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है। यह प्रांत की 42.89 प्रतिशत आबादी है। राज्य का 25.93 फीसदी क्षेत्र जम्मू संभाग में आता है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 37 सीटें आती हैं। दूसरी तरफ कश्मीर घाटी की आबादी 68 लाख 88 हजार 475 है। प्रदेश की आबादी का यह 54.93 प्रतिशत भाग है। कश्मीर संभाग का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 15.73 प्रतिशत है। यहां से कुल 46 विधायक चुने जाते थे। इसके अलावा राज्य के 58.33 प्रतिशत वाले भू-भाग लद्दाख संभाग में महज 4 विधानसभा सीटें थीं, जो अब लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद विलोपित कर दी गई हैं। साफ है, जनसंख्यात्मक घनत्व और संभागवार भौगोलिक अनुपात में बड़ी असमानता थी, जनहित में इसे दूर किया जाना, जिम्मेवार सरकार की जिम्मेवारी बनती थी। केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग ने यह असमानता दूर करके संविधान और लोकतंत्र, दोनों की रक्षा की है।

प्रमोद भार्गव

शिक्षित,आत्मनिर्भर नारी भारत का शक्तिशाली एवं उज्जवल भविष्य

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई हैद्य वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं।

वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्टपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्टपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी। भारत की नारियों को नमन, प्रणाम एवं अभिनंदन।

संजीव ठाकुर
रायपुर
छत्तीसगढ़

महादेव एप के 11 बुकी को दुर्ग पुलिस ने अम्बिकापुर से किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

महादेव एप के बुकी गिरोह के 11 सदस्यों को दुर्ग पुलिस ने अंबिकापुर से गिरफ्तार किया है। ये आरोपी अंबिकापुर से अपना कारोबार कर रहे थे। यह सभी अंबिकापुर में किराए के मकान में रहकर ऑनलाइन एप महादेव के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खेला रहे थे।

गौरतलब है कि दुर्ग पुलिस ने कुछ दिन पूर्व महादेव एप के बुकी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार स्टोरियों ने अंबिकापुर में भी लिंक जुड़े होने की बात स्वीकार की थी। आरोपियों के निशानदेही पर दुर्ग पुलिस सोमवार को अंबिकापुर पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से 11 युवकों को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी अंबिकापुर में दो ब्रांच

खोलकर महादेव ऐप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खेला रहे थे। ये सभी आरोपी दुर्ग जिले के ही हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सद्दाम हुसैन पिता जमालूद्दीन (32 वर्ष) निवासी फरीद नगर भिलाई, दीपक कुमार ध्रुव पिता रामकुमार (23 वर्ष) पता घासीदास नगर जामुल, अनय शर्मा पिता विजय शर्मा (20 वर्ष) निवासी ईडब्ल्यूएस 1259 हाउसिंग बोर्ड कालोनी भिलाई, हर्षदीप पिता मनजीत सिंह (19 वर्ष) निवासी अनिल किराना स्टोर के पीछे, बीएम शाह हास्पिटल के पास सुपेला, नवीन चौधरी पिता रघुवीर चौधरी (19 वर्ष) बीएम शाह हास्पिटल के पास सुपेला, फारुख रंगरेज पिता मुन्ना रंगरेज (25 वर्ष) संतराबाड़ी दुर्ग, पीयूष खेत्रपाल पिता हरीश खेत्रपाल (27 वर्ष) निवासी कादंबरी नगर दुर्गा मंदिर के पास दुर्ग, रोहित सिंह पिता जसवीर सिंह (23 वर्ष) निवासी जामुल, के गौतम पिता के शिवा (22 वर्ष) निवासी बालाजी नगर खुर्सीपार, शिवा पिता शशी (22 वर्ष) बालाजी नगर खुर्सीपार, सुधीर चौधरी पिता मोहन चौधरी (23 वर्ष) निवासी घासीदास नगर जामुल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियो के कब्जे से 7 लैपटाप, 16 मोबाइल फोन, पासबुक, एटीएम, रजिस्टर जब्त हुआ है। सभी आरोपियों पुलिस दुर्ग लेकर वापस चली गई है।

ऑल इंडिया विश्वविद्यालय मिनी गोल्फ प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

ऑल इंडिया विश्वविद्यालय मिनी गोल्फ महिला-पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी जयपुर में 1 से 5 मार्च तक आयोजित होना है। जिसमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा की टीम प्रतियोगिता में शामिल होगी। सरगुजा मिनी गोल्फ संघ के खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित सभी खिलाड़ी गांधी स्टेडियम में राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन प्रशिक्षण दिया जाता है। टीम में पुरुष वर्ग से आकाश दुबे, साकेत केडिया, अभिषेक सोनी, आनंद कुमार, अरमान खान एवं महिला वर्ग से प्रिया जायसवाल, प्रियंका पैकरा, संशिता एक्का, साक्षी गुप्ता, संध्या सोनी शामिल हैं। सरगुजा एनएसयूआई खेल विभाग चैयरमैन रजत सिंह ने बताया कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा में मिनीगोल्फ खेल को जुड़वाने के लिए राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह के लंबे समय से प्रयास के बाद यह खेल विश्वविद्यालय में शामिल हुआ और विश्वविद्यालय दूसरी बार ऑल इंडिया चैंपियनशिप में शामिल होने जा रही है। पिछ्ले वर्ष ऑल इंडिया विश्वविद्यालय मिनी गोल्फ महिला-पुरुष प्रतियोगिता में भी पहली बार कई मेडल जिते थे।

अखिल विद्यार्थी परिषद ने आईटीआई का किया घेराव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

आईटीआई छात्रावास अधीक्षक शबीर अहमद द्वारा स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की पुण्यतिथि मनाने की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में विद्यार्थी परिषद द्वारा आईटीआई कॉलेज का घेराव कर ज्ञापन सौंपा गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता स्वतंत्रता सेनानी विनायक सावरकर की पुण्यतिथि मनाने जब छात्रावास में जाते हैं तो वहां के अधीक्षक शबीर अहमद द्वारा मना कर दिया जाता है। इसके विरोध में सोमवार को अखिल भरतीय विद्यार्थी परिर्षद के कार्यकर्ताओं ने आईटीआई कॉलज का घेराव किया गया।संगठन मंत्री दीपक गुप्ता, जिला संयोजक उज्जवल तिवारी, नगर मंत्री अक्षरा सिंह, आर्यन गुप्ता, रोहन मंडल, राहुल नागवंशी, पुष्पराज सिंह, राकेश गुप्ता, अभिषेक जायसवाल, प्रियांशु सोनी, सृजन सिन्हा, आयुष गुप्ता, आर्यमन, देवानंद गुप्ता, अभिषेक यादव, ऋषभ, गौरव यादव, शिवम डेनसेना, हिमांशु पंडित, राम सिंह, हर्षवर्धन, अभय, रोहित, अनिकेत, विशाल, रवि लकड़ा शामिल रहे।

स्वधार व बालिका गृह में साक्षरता शिविर आयोजित कर दी गई नियम व अधिकार की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के अध्यक्ष आरबी घोरे के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के सचिव अमित जिन्दल ने स्वधार गृह अम्बिकापुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर जानकारी दी कि यदि किसी बालक के साथ कोई व्यक्ति अश्लील हरकत करता है तो वह भादसं की धारा 354 के साथ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 8 से दण्डनीय होगा तथा यदि किसी बालिका को कोई व्यक्ति अश्लील शब्द कहता है तो वह धारा 354-ए के साथ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 12 से भी दण्डनीय होगा। वहीं उन्होंने बालिका गृह में भी विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने जानकारी दी की यदि कोई पति या पत्नी बिना किसी युक्तियुक्त कारण के अपने जीवन साथी को छोड़ देता है तो जिस पक्षकार को छोड़ा गया है वह हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 9 के तहत परिवार न्यायालय में दाम्पत्य अधिकारों के प्रतिस्थापन के लिए याचिका पेश कर सकता है तथा यदि कोई पक्षकार विवाह विच्छेद के लिए

याचिका पेश करता है तो हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 24 के तहत बाद कालीन भरण पोषण का भी प्रावधान है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 125 में उस महिला को भी भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकार है जिसके विवाह का विच्छेद हो गया हो और जिसने पुर्नविवाह नहीं किया हो। धारा 125 के तहत सिर्फ पत्नि को ही भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकार नहीं है बल्कि माता-पिता तथा संतान को भी भरण पोषण प्राप्त करने का अधिकार है। इस दौरान मुख्य रूप से स्वधार गृह संचालिका मीरा शुक्ला उपस्थित थे।

एकलव्य विद्यालय में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा आवेदन 20 मार्च तक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अम्बिकापुर ने बताया है कि राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु जिला स्तरीय चयन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी ऑनलाईन आवेदन विभागीय वेबसाईट WWW.eklavya.cg.nic.in पर 20 मार्च 2023 को रात्रि 12 बजे तक कर सकते हैं। चयन परीक्षा का आयोजन 23 अप्रैल 2023 को रविवार को प्रातः 10 बजे से किया गया है।

चयन परीक्षा हेतु विद्यार्थी की आयु 31 मार्च से 1 अप्रैल 2023 को 10 से 13 वर्ष के मध्य हों। दिव्यांग विद्यार्थियों के आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट रहेगी। प्रवेश के समय 5वीं कक्षा उत्तीर्ण, छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग का मूल निवासी हो एवं विद्यार्थी को किसी अन्य विद्यालय से निष्काषित न किया गया हो। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु एकलब्य आवासी विद्यालय अम्बिकापुर एवं कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास अम्बिकापुर तथा समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

समाधान कार्यक्रम के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने लिंक जारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

मिशन 90 प्लस के तहत कक्षा 10 वी एवं 12वी के बच्चों के वार्षिक परीक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों के प्रश्नों हेतु जिला स्तरीय टीम द्वारा समाधान कार्यक्रम के व्हाट्सएप नंबर से बच्चो को जोड़ने लिंक जारी किया गया है। इस लिंक के माध्यम से बच्चे अलग अलग विषय के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ सकते हैं। समाधान कार्यक्रम का उददेश्य विभिन्न विषयों में आ रही प्रश्नों का समय सीमा में समाधान प्रदान किया जाना है।

दिशा स्कीम के तहत शार्ट फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

न्याय विभाग भारत सरकार एवं नालसा के संयुक्त तात्वधान में संचालित दिशा स्कीम के अंतर्गत शार्ट फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 5 से 10 मिनट की अवधी की शार्ट फिल्में न्याय विभाग एवं नालसा की दिशा स्कीम थीम पर तैयार कर 15 मार्च 2023 तक जिला विविध सेवा प्राधिकरण या छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रस्तुत की जा सकती है। इस वर्ष यह प्रतियोगिता जगदलपुर में आयोजित की जाएगी।

इस प्रतियोगिता में कोई भी शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग, निजी व्यक्ति, संगठन अथवा कोई भी संस्था भाग ले सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा कानूनी जागरूकता से संबंधित अन्य शार्ट फिल्में गैर प्रतियोगिता वर्ग में जमा की जा सकती है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क किया जा सकता है।

ज्ञातब्य है कि दिशा स्कीम के अंतर्गत मोबाईल एवं वीडियो के माध्यम से तथा जन सूचना केन्द्र के माध्यम से विधिक सहायता उपलब्ध कराए जाने का कार्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में किया जा रहा है तथा इसके लिए प्रत्येक जिले में 1-1 टेली अधिवक्ता भी नियुक्त किया गया है। इस स्कीम के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट WWW.cgslsa.gov.in पर देखा जा सकता है तथा श्री शशांक शेखर दुबे विधिक सहायता अधिकारी मोबाईल नम्बर 9131525540 से संपर्क किया जा सकता है।

पीएम सम्मान निधि के तहत 76894 किसानों के खाते में 14 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना अंतर्गत 27 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13 वी किश्त की राशि का अंतरण किसानों के खातों में अंतरित की गई। उप संचालक कृषि श्री पीएस दीवान ने बताया कि इस बार जिले की 76 हजार 894 किसानों के खाते में 14 करोड़ 85 लाख रूपए अंतरित की गई। इस बार जिले के किसानों की संख्या पिछली बार से 68702 किसान अधिक है। पिछली 12 वी किश्त की राशि केवल 8 हजार 192 किसानों को प्राप्त हुई थी।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना अन्यर्गत जिले के अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए केवायसी अपडेशन एवं आधार सीडिंग का कार्य घर-घर जाकर किया गया। इसके साथ ही केयवासी अपडेशन के लिए अभियान भी चलाये गए।

एकलव्य आदर्श विद्यालय घंघरी में चलाया गया टीबी जागरूकता शिविर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

देश में 2025 तक क्षय रोग से मुक्त करने के लिए चलाए गए कार्यक्रम में जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ.शैलेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में सरगुजा जिला को टीबी मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से सघन कार्य चलाया जा रहा है। जिसमें पिरामल स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ सरगुजा जिला कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र कुमार तिवारी द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कराया गया। जिसमें 180 छात्र-छात्राओं और प्राचार्य सहित 11 शिक्षकों को क्षय नियंत्रण की विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। जिसमें क्षय रोग के मरीज या ऐसे रोगी जिन्हें खांसी की शिकायत हो या ऐसे मरीज जिनमें शुगर, एचआईवी, धूम्रपान, व कैंसर के कारण क्षय रोग छाती में होने की संभावना ज्यादा रहती है। साथ ही बच्चों को यह बताया गया कि टीबी क्या है, इसके लक्षण क्या है, और इसका ईलाज कहां और कैसे होता है। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य अशोक तिग्गा ने कहा की क्षय रोग अब लाईलाज बीमारी नहीं है। न यह किसी भी प्रकार की छुआछूत की बीमारी है। पिरामल स्वास्थ्य के जिला कार्यकम समन्वयक सरस्वती विश्वकर्मा ने कहा की क्षय रोग का ईलाज और उपचार अब सभी जगहों में उपलब्ध है। अगर किसी भी व्यक्ति को दो हफ्ते से ज्यादा खांसी, बुखार, कमजोरी या सीने में दर्द हो तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में अपने खखांर की जांच अवश्य कराएं। कार्यक्रम में सभी बच्चों एवं शिक्षकों ने भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित किए।

लगभग डेढ़ वर्ष में बदल गए चार तहसीलदार,7 माह कोई 4 तो कोई टिका सिर्फ एक माह

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

पिछ्ले डेढ़ वर्षो में तहसील कार्यालय में ही पांच तहसीलदार बदल गए हैं। पिछ्ले वर्ष 22 जून 2021 को तत्कालीन तहसीलदार ओपी सिंह ने पदभार संभाला था लेकिन महज सिर्फ एक माह बाद ही 31 जुलाई 2021 को उनका तबादला हो गया था। उनके स्थान पर प्रतीक जायसवाल को तहसीलदार बनाया गया था, लेकिन वे भी बमुश्किल 4 माह ही तहसील में रह पाए, फिर उन्हें भी स्थानांतरित कर नीरजकांत तिवारी को तहसीलदार बनाया गया। फिर नीरज कांत भी 5 महीने ही तहसीलदार रह पाए, अब उनका भी तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर संजय राठौर को नया तहसीलदार बनाया गया है वे भी अपनी लंबी पारी नही खेल सके ज्यादा दिन नहीं टिक सके सात महीने में ही उनको चलता कर दिया गया और जिला मुख्यालय के तहसीलदार की जवाब दारी डिप्टी कलेक्टर डा वर्षा बंसल को सौंपने का आदेश जारी किया गया है। दरअसल अभी हाल में कुछ माह पूर्व ही सूरजपुर कलेक्टर इफ्फत आरा ने तबादला आदेश जारी किया है। इसमें कई तहसीलदार, नायब तहसीलदार का तबादला हुआ है और एक बार फिर कुछ महीने के अंतराल में ही तहसीलदारों के प्रभार में तब्दीली के आदेश जारी किए गए , जिले के तहसीलदार व नायब तहसीलदारों के प्रभार में जल्द जल्द इधर से उधर किया जा रहा है इसे लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही नए तहसीलदार आते हैं, वे केस समझ पाते ही हैं कि इसके बाद उनका ट्रांसफर हो जाता है। इससे हमें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, नामंतरण , बटाकन सीमांकन सहित अन्य राजस्व का कार्य भी रुक जाएगा, इसे लेकर जमीन चौहद्दी बंटवारा संबंधित व अन्य कार्यो के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी

बताया कि तहसील कार्यालय में तहसीलदारों का तो लगातार तबादला हो रहा है, लेकिन यहां पदस्थ बाबू सालों से जमे हुए हैं। बाबुओं के जुगाड़ के आगे सभी नियम-कानून फेल हैं। केवल तहसीलदारों का ट्रांसफर किया जा रहा है, जो समझ से परे है। जिले के अधिकांश तहसीलों में तहसीलदारों के ट्रांसफर की कमोवेश यही स्थिति है। जबकि बाबू पटवारी राजस्व निरीक्षक अंगद की पाव की तरह जमे हुए है। बहुत ज्यादा हुआ तो दिखावे के लिए कुछ दिन के लिए अगल बगल कर फिर से वापस कर दिया जा रहा है। जो क्षेत्र में तरह तरह के चर्चा का विषय बना हुआ है।

चार साल तक रहे नंद जी

सूरजपुर में तहसीलदार नंदजी पांडेय लगभग चार साल तक सूरजपुर तहसीलदार के पद पर रहे। वे पूर्ववर्ती भाजपा शासन काल से वर्तमान चल रहे कांग्रेस शासन काल के दौरान तक पदस्थ थे। उनका कोरबा जिले के लिए डिप्टी कलेक्टर के रूप में पदोन्नति के पश्चात स्थांतरण हुआ था जबकि ऐसा क्या हुआ कि उनके स्थानांतरण के बाद डेढ़ वर्षो में पांच तहसीलदार का स्थानांतरण आदेश जारी हुआ। जिला मुख्यालय ही नहीं बल्कि जिले के अधिकांश तहसीलों में कमोबेश स्थिति यही है कि जब तक अधिकारी राजस्व प्रकरणों को समझ पाते, इससे पूर्व ही उनका स्थानांतरण आदेश जारी हो जाता है, ऐसे में राजस्व प्रकरणों का निपटारा कैसे हो पाएगा, ये बड़ा सवाल है। जबकि प्रदेश के मुखिया की मंशा है की राजस्व प्रकरणों के लिए पक्षकारों को तहसील के चक्कर न लगाना पड़े। राजस्व के लंबित प्रकरणों का निपटारा जल्द से जल्द करने के निर्देश सभी कलेक्टर को जारी कर उनको जवाबदेही तय किए गए है। बहरहाल जिला मुख्यालय में तहसीदार के पद पर डिप्टी कलेक्टर डा वर्षा बंसल को पदस्थ किया गया अब देखना यह है की उनका कार्यकाल लंबा रहता कि उनकी भी छुट्टी जल्दी कर दी जाती है !

इस्तीफा सार्वजनिक लेकिन पुनःकांग्रेस प्रवेश सर्वजनिक क्यों नहीं ?

- इस्तीफा सर्वजनिक लेकिन पुनः कांग्रेस प्रवेश सर्वजनिक क्यों नहीं ?
- कांग्रेस के युवा नेता का त्रियाचरित्र आया समाने,कांग्रेस को अलविदा कहने की बात निकली झूठी
- कोरिया जिले के युवा कांग्रेस नेता निलेश पाण्डेय फिर नजर आने लगे कांग्रेस के मंच पर, छोड़ चुके थे कांग्रेस
- कभी भाजपा नेताओं से नजदीकी,कभी कांग्रेस नेताओ के करीबी निलेश अवसरवादिता की हैं जिले में मिशाल
- सोशल मीडिया पर भी कांग्रेस भाजपा दोनो ही दलों के नेताओ को करते हैं टैग
- किसी की बने सरकार जलवा रहे बरकरार,यही ध्येय है मानो युवा नेता का

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के एक युवा कांग्रेस नेता जो विगत वर्ष पार्टी को त्यागपत्र दे चुके थे का नया त्रियाचरित्र सामने आया है और वह लगातार पार्टी कार्यक्रमों में शिरकत करते नजर आ रहे हैं। युवा नेता जो त्रियाचरित्र में माहिर हैं और भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों में अपनी पैठ की बात करते हैं अभी कांग्रेस के 85 वें अधिवेशन में शामिल नजर आ रहे हैं ने दो वर्ष पूर्व पार्टी को सार्वजानिक रूप से अलविदा कहा था लेकिन अब वह पुनः सक्रिय नजर आ रहे हैं और फिलहाल वह राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल हैं

वैसे यह एक ऐसे नेता हैं जो कब किस करवट बैठ जाएं कहना मुश्किल है क्योंकि अवसर मिलते ही इनकी फितरत बदलती है यह यह लगातार साबित करते आए हैं। वैसे बताया यह भी जाता है की यह बीते विधानसभा चुनाव में पूर्व मंत्री भाजपा के पूर्व बैकुंठपुर विधायक के करीबी थे और चुनाव में उनके सहयोगी भी थे लेकिन सरकार बनते ही यह कांग्रेस पार्टी में सक्रिय हुए और बीच में कांग्रेस को भी इन्होंने अलविदा कह दिया था। वैसे अलविदा कहकर भी यह कांग्रेस से दूर नहीं हुए थे और गाहे बगाहे यह राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल रहते थे,जब इन्होंने सक्रिय राजनीति से इस्तीफा दे दिया है तो फिर राजनीति में सक्रिय क्यों दिख रहे हैं यह एक बड़ा सवाल है, क्या आखिर इनका राजनीतिक मोह खत्म नहीं हो रहा या फिर सिर्फ इस्तीफा देना एक प्रोपेगेंडा था? युवा नेता का राजनीति में सक्रिय होना और लगातार सक्रियता की फोटो प्रसारित करना कहीं ना कहीं यही बताता है कि इस्तीफा तो प्रोपेगेंडा था हम तो अभी भी राजनीति में जलवे बिखेर रहे।

इस्तीफा तो सार्वजनिक ने किया पर जॉइनिंग सर्वजनिक क्यों नहीं ?

युवा नेता ने जब अपना त्यागपत्र पार्टी के जिला अध्यक्ष को दिया था तब उन्होंने अपने त्यागपत्र को सार्वजनिक किया था और उन्होंने बाकायदा मिडिया में भी सूचना दी थी और फिर कभी कांग्रेस में वापसी की संभावनाओं से इंकार किया था लेकिन अब वह पुनः जब पार्टी में सक्रिय नजर आ रहे हैं और यह माना जा सकता है की उन्होंने पार्टी में वापसी कर ली है उन्होंने इस बात को सार्वजनिक नहीं किया है।

क्या युवा नेता सक्रिय राजनीति से इस्तीफा देने के बाद भी सक्रिय राजनीति में शामिल है ?

वैसे युवा नेता निलेश पाण्डेय ने केवल दिखावे के लिए पार्टी से त्यागपत्र दिया था यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि उन्हें कभी भी पार्टी के कार्यक्रमों से दूर नहीं देखा गया और जब भी बड़े नेताओं का जिले में आगमन हुआ उन्हे नेताओ के आगे पीछे देखा गया जो लगातार देखा गया।

युवा नेता का पार्टी से मोहभंग कभी नहीं हुआ यह कहना गलत नहीं होगा।

युवा नेता की सक्रियता को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं

युवा नेता का ऐन चुनाव के वक्त सक्रिय होना यह बताता है की वह अवसर देखकर पुन: पार्टी में वापसी कर चुके हैं। वर्तमान में वह कांग्रेस पार्टी के साथ कदम ताल करते नजर आ रहें हैं लेकिन वह किस करवट बैठेंगे चुनावों में यह अभी से कहना गलत होगा। वैसे अवसर देखकर नेताओ से संपर्क कर उनके खास सिपेहसलारो में शामिल होने की कला में माहिर निलेश पाण्डेय जिस करवट भी बैठे आश्चर्य करना गलत होगा।

लाहिड़ी महाविद्यालय चिरमिरी का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 4 मार्च को

- संवाददाता -
चिरमिरी 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

शासकीय लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चिरमिरी में शैक्षणिक सत्र 2022-23 का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 4 मार्च 2023 को प्रातः 11 बजे से महाविद्यालय के विज्ञान संकाय भवन में आयोजित होगा।

पहले यह कार्यक्रम 27 फरवरी को होने वाला था लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे 04 मार्च को आयोजित किया जाएगा। वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि डॉ विनय जायसवाल माननीय विधायक मनेन्द्रगढ विधानसभा क्षेत्र होंगे जबकि अध्यक्षता श्रीमती कंचन जायसवाल माननीय महापौर नगर निगम चिरमिरी करेंगी। वार्षिकोत्सव समारोह में अतिविशिष्ट अतिथि श्री नवनीत श्रीवास्तव मुख्य महाप्रबंधक एस ई सी एल चिरमिरी क्षेत्र और श्रीमती संगीता श्रीवास्तव अध्यक्ष संपदा महिला मंडल चिरमिरी रहेंगे। विशिष्ट अतिथि श्रीमती गायत्री बिरहा, शिवांश जैन, राहुल भाई पटेल, विजय शर्मा और चंद्रभान बर्मन उपस्थित रहेंगे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राम किंकर पाण्डेय ने महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं से कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की है।

सर्वसम्मति से गठित हुई भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ़ की एमसीबी जिले की कार्यकारिणी

- कार्यकारिणी गठन में एमसीबी का जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली आनंद शर्मा को तो वहीं उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे कृष्णा वस्त्रकार।

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़ 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत आने वाले एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ़ की अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मनेंद्रगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार आनंद शर्मा को एमसीबी जिले के नय जिलाध्यक्ष एवं जिलापाध्यक्ष एमसीबी के रूप में वरिष्ठ पत्रकार कृष्णा वस्त्रकार को जवाबदारी सौंपी गई है। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के जिला मुख्य महासचिव के रूप में मुस्ताक कुरैशी यथावत अपनी जिम्मेदारी निर्वहन कर रहे हैं, इस बैठक में कोरिया जिले से आशीष खटीक को कोरिया जिले का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही मनेंद्रगढ़ से नए पत्रकार साथियों को भी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की सदस्यता ग्रहण कराई गई है। जिसमें नए जिला अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा अपने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा पूर्ण निर्वहन करने एवं संगठन की एकता को बरकरार रखने की बात कही गई। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष महेश प्रसाद प्रदेश के मुख्य महासचिव सत्येंद्र सोनी, प्रदेश सचिव हेमंत कारफार्मा प्रदेश प्रवक्ता अविनाश चंद्र संभागीय उपाध्यक्ष उग्रसेन पाल, कोरिया जिला अध्यक्ष सावन कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रदीप पाटकर, आशीष कुमार, प्रमोद तिवारी, संजय कुमार केसरवानी, नागेन्द्र दुबे,ऋषि शर्मा करन सोनी सहित गठन के नए पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

सचिव कर रही थी शासकीय जमीन पर कब्जा,मोहल्लेवासियों ने किया विरोध

- तहसीलदार ने बंद कराया काम,कलेक्टर व सीईओ से भी हुई शिकायत

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय में शासकीय जमीन पर बैखौफ कब्जा करने का खेल चल रहा है, मुख्य सड़क से लेकर भीतर जहां पर भी शासकीय जमीन है, मौका मिलते ही लोग उस पर कब्जा कर रहे हैं, इसी कड़ी में जनपद पंचायत बैकुंठपुर अंतर्गत पदस्थ एक महिला सचिव के द्वारा भी शासकीय जमीन पर कब्जा किया जा रहा था, मोहल्लेवासियों की आपत्ति के बाद तहसीलदार ने आकर काम बंद करा दिया इसकी शिकायत कलेक्टर व सीईओ से भी की गई है, मोहल्लेवासियों की आपत्ति के बाद तहसीलदार द्वारा की गई कार्यवाही से नाराज महिला सचिव कलेक्टोरेट भी जा पहुंची और उसके द्वारा गुस्से का ईजहार किया जा रहा था, कलेक्टर कोरिया ने भी उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करने का निर्देष दिया है। महिला सचिव द्वारा उक्त जमीन पर कब्जे की नियत से पूर्व में भी दो बार काम शुरू किया गया था जिसे आपत्ति के बाद बंद कराया गया था,लेकिन हठधर्मिता दिखलाते हुए सचिव बार-बार कब्जे की कोषिष कर रही है। इस मामले में सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के नगरपालिका क्षेत्र में स्थित वार्ड क्रमांक 6 में परियोजना कालोनी के पीछे आदिवासी विकास विभाग की जमीन है,जहां पिछले वर्ष ही लोगो की सुविधा के लिए नगरपालिका द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया है, परियोजना कालोनी के ठीक पीछे रिक्त पड़े जमीन के एक हिस्से पर सचिव सीमा शर्मा द्वारा पिछले दो वर्ष से कब्जे की कोषिष की जा रही है,पूर्व में उसके द्वारा काम शुरू किया गया था लेकिन आपत्ति के बाद राजस्व अमले द्वारा काम बंद करा दिया गया था। अब एक बार फिर महिला सचिव द्वारा गत मंगलवार से कब्जा करने की नियत से काम शुरू कराया गया था, जिस पर मोहल्लेवासियो ने आपत्ति दर्ज कराया, वार्ड के नागरिकों ने जनदर्षन में जाकर एक शासकीय सेवक द्वारा किये जा रहे गलत कार्यो की जानकारी कलेक्टर को दी, नागरिको ने कलेक्टर को लिखित में एक ज्ञापन सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया है कि सीमा शर्मा जनपद पंचायत बैकुंठपुर में सचिव पद पर पदस्थ है। उसका निवास वार्ड क्रमांक 6 नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर में है, जहां वह 5 डिसमिल जमीन क्रय कर उस पर दो मंजिला मकान बनाकर निवास कर रही है। सचिव सीमा शर्मा द्वारा अपने महिला होने का फायदा उठाते हुए वार्ड क्रमांक 6 परियोजना कालोनी के पीछे पड़ी शासकीय जमीन पर जबरन बेजा कब्जा किया जा रहा है, उसे काम से जब मना किया जाता है तो यह कहा जाता है कि मैं वहां पर पहले गाय रखती थी, तो कभी कहा जाता है कि पूर्व में सहायक आयुक्त द्वारा मुझे कब्जा करने को कहा गया था महिला द्वारा तरह-तरह की मनगढंत बातें की जाती है। पूर्व में महिला सचिव के द्वारा रिक्त पड़े जमीन पर कब्जा कर बाउंड्री का निर्माण कराया जा रहा था तब मोहल्लेवासियों के आपत्ति के बाद और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार बैकुंठपुर, वार्ड पार्षद के मना करने के बाद काम रोका गया था। अब एक बार फिर 21 फरवरी 2023 मंगलवार से सचिव के द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जा करने की नियत से काम प्रारंभ कराया गया है, उसे मना करने पर राजनैतिक और बड़े-बड़े लोग से पहुंच का हवाला दिया जाता है साथ ही झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी जाती है जिससे आसपास का कोई भी नागरिक महिला सचिव को मना नही कर पा रहा है। एक शासकीय सेवक महिला सचिव द्वारा शासकीय जमीन पर झूठ बोलकर कब्जा किये जाने से अन्य लोगो को भी मौका मिलेगा। स्थल जांचकर और वार्डवासियों से बयान लेने पर स्वतः सामने आ जाएगा कि महिला द्वारा मनगढंत बात कर जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। ज्ञापन में शासकीय जमीन पर किये जा रहे कब्जे पर तत्काल रोक लगाते हुए शासकीय सेवक के खिलाफ उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। जनदर्षन में हुई उक्त षिकायत के बाद मौके पर आकर तहसीलदार बैकुंठपुर नें निर्माण कार्य को बंद करा दिया, जिसके बाद महिला सचिव कलेक्टोरेट पहुंच गई और वहां जाकर गुस्से का ईजहार किया जा रहा था, मामले को कलेक्टर कोरिया ने भी गंभीरता से लेते हुए जांच का निर्देष दिया है।

पटना पंडित स्व.ज्वाला प्रसाद उपाध्याय महाविद्यालय की छात्रा ने केंद्रीय मंत्री से पूछे सवाल

- वाय 20 के तत्वाधान में आई आई एम रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूछे सवाल।
- कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे केंद्रीय खेल युवा एवम सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर।
- केंद्रीय मंत्री ने छात्रा साक्षी सिंह के सवालों का दिया जवाब।

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के ग्राम पटना स्थित शासकीय पंडित स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद उपाध्याय महाविद्यालय की छात्रा साक्षी सिंह ने केंद्रीय खेल युवा एवम सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से सवाल पूछे। साक्षी के सवालों का केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया और छात्रा को अपने जवाब दे संतुष्ट करने का प्रयास किया।

बता दें की भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवम खेल मंत्रालय के तत्वाधान में आई आई एम रायपुर में आयोजित वाय 20 कार्यक्रम में जिला संयोजक रासेयो प्रोफेसर एम सी हिमधर के मार्गदर्शन में कोरिया जिले से प्रिंस सिंह शासकीय लाहड़ी महाविद्यालय चिरमिरी नमिता राजवाड़े के बी पटेल महाविद्यालय चिरमिरी साक्षी सिंह,सुमन सिंह शासकीय पंडित स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद उपाध्याय महाविद्यालय पटना कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शिव शंकर राजवाड़े के नेतृत्व में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय राज्यमंत्री एवम सरगुजा सांसद श्रीमती रेणुका सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पटना शासकीय महाविद्यालय की छात्रा को भी केंद्रीय खेल युवा एवम सूचना प्रसारण मंत्री से पूछने का अवसर मिला जिसमे छात्रा साक्षी सिंह ने चुनाव में धनबल के प्रयोग को लेकर प्रश्न किया। धनबल को किस तरह आगे बढ़ने के लिए प्रयोग किया जाता है और जिसके पास इसका अभाव हो वह कैसे आगे बढ़ सकेगा इसको लेकर साक्षी सिंह द्वारा पूछे गए प्रश्न का केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बड़ी आत्मीयता से जवाब दिया और छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। केंद्रीय मंत्री ने कहा की जो आज आगे है वह अपनी मेहनत से आगे है और मेहनत करके आप भी आगे बढ़ सकते हैं इसलिए मेहनत कीजिए। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के जवाब से सभी संतुष्ट नजर आए और सभी सम्मिलित प्रतिभागियों के साथ उन्होंने फोटोग्राफी भी कराई। कार्यक्रम में 23 देशों के विदेशी युवाओं एवम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं ने अपने अनुभवों को साझा किया एवम पूछे जा रहे प्रश्नों का जवाब दिया।

बहारों फूल बिछाओ हमारा नेता आया:अनिल जायसवाल

- जनता ने सरकार चुना था कि उनके राह आसान होगी पर यहां तो सरकार अपने नेता के राहों में फूल बिछा रहे ?
- जनता त्राहीमाम-त्राहीमाम कर रही लेकिन सुनेगा कौन ?
- क्या रास्ते में फूल अपने नेता को खुश करने के लिए बिछाया आया ?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

राजनीतिक प्रवेश किस तरीके से बदल रहा है इस बात का अंदाजा इस समय की राजनीति से लगाया जा सकता है क्या भाजपा क्या कांग्रेस सभी एक ही सिक्के के दो पहलू के समान काम कर रहे हैं, भाजपा कि केंद्र सरकार के खिलाफ तो आलोचनाएं जारी है पर वही कांग्रेस का 85 85वां अधिवेशन भी आलोचकों के घेरे में आ गया है और यह आलोचना सिर्फ इसलिए हो रही है क्योंकि कांग्रेस ने अपने नेता के आगमन पर गुलाब के फूल सड़कों पर बिछा दिए जिसे लेकर कई तरह के बात सोशल मीडिया पर हो रही है, उसमें से एक बात यह भी है बहारों फूल बिछाओ हमारा नेता आया है? यह हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कांग्रेस के 85 वां अधिवेशन में नेता के आगमन पर कुछ इस तरह का दृश्य देखने को मिला।

सरकार आती जाती है, सरकारों का क्या है, जनता वहीं रह जाती है। आम जनता की चाहत, उनकी मांग, उनके साथ किये गए वायदे सब धरे के धरे रह जाते हैं। जिस देश में एक कवि पुष्प की अभिलाषा लिखता हो और यह कह देता है कि मुझे मंदिर या राजनेताओं के गले में नहीं बल्कि वीरों की शहादत के रास्ते पर, उनके पार्थिव शरीर पर अर्पित किया जाये। जिस देश में एक प्रधानमंत्री ऐसा भी हुआ जिसने गुलाब को अपने हृदय से लगाये रखा और बच्चों को जो समय-दर-समय वह गुलाब अपनी पॉकेट से निकाल कर पकड़ा देता था। उसी देश में उसी प्रधानमंत्री के पार्टी के नेताओं को खुश करने गुलाब सड़कों पर बिछा दिए जाते हैं और उस सड़क पर उनके नेता पैदल नहीं गुलाब को गाड़ियों से रौंदते हुए पार हो जाते हैं। सवाल यह है कि चाटूकारिता की इस भयानक राजनीति से प्रदेश को क्या मिला या क्या मिल रहा है?

भाजपा नेता अनिल जयसवाल ने कहा की सवाल सिर्फ गुलाब सड़कों पर बिछा देने का नहीं है, सवाल है कांग्रेस नेताओं की निर्लज्जता का है, सवाल है ऊपर में बैठे पार्टी हुक्मरानों के बेशर्मी का जिस राज्य में पार्टी का 85 वां अधिवेशन कराने लालायित हैं, उसी राज्य में उन्हीं की सरकार में भ्रष्टाचार ने अब तक कि अपनी सारी सीमाएँ लांघ दी लेकिन न तो पार्टी के किसी बड़े नेता का बयान आता है और न ही इस पर कोई सफाई। जो मुख्यमंत्री अपने नजदीकी सचिव के गिरफ्तार होने पर बयानबाजी कर रहे थे, हर लड़ाई लड़ने का दावा कर रहे थे वे भी अब मौन हैं। उनके नजदीकी सचिव को जमानत तक नहीं मिल पा रही है। यदि कांग्रेस की भाषा में यह मान भी लिया जाये कि भाजपा के उच्च स्तर के इशारे पर, केंद्र सरकार के इशारे पर यह कार्यवाही हुई तो फिर कांग्रेस उन भ्रष्टाचार पर क्यों कुछ नहीं कह पाती जो कि छापे से पहले केवल सार्वजनिक बोलचाल में थी, जिसमें बालू से लेकर कोयला और धान के ट्रांसपोर्टिंग एवं मिलिंग तक के रेट तय थे। कलेक्टर को जिला आवंटन से लेकर एसपी को जिला बांटने एवं थाना बांटने तक के रेट तय थे। जिसे छापे के बाद दस्तावेजीकरण कर ईडी ने सार्वजनिक बोलचाल में मौजूद बात को सही करार दे दिया। एक-एक आईएएस अफसर और फिर मुख्यमंत्री के नजदीकी सचिव तक के पास अनाप-शनाप पैसों का आना, करोड़ों अरबों की संपत्ति की लिखित जानकारी ईडी ने दिया। इसे कांग्रेस कैसे गलत साबित करेगी, भगवान मालिक है, गंगा जल की शपथ लेने वालों ने उस दौरान गंगा जल ही हाथ में लेकर निष्पक्ष शासन, जनता के अनुकूल मांग के अनुरूप घोषणापत्र के वायदों को अक्षरशः पूरा करने का शपथ लिया था अथवा गंगाजल के जगह कहीं महुआ शराब लेकर तो शपथ नहीं ले लिए था, जिसके कारण छत्तीसगढ़ का यह हाल हुए जा रहा है। सवाल तो लगातार पूछे जायेंगे और पार्टी आलाकमान के सोच पर भी प्रश्नचिन्ह लगेगा कि आखिरकार का इन प्रमाणित भ्रष्टाचार पर उनका जवाब क्या है? सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे कब तक चुप रहेंगे, 8 महीने बाद चुनाव में इसी राज्य में घूमना है आपको तब जनता को बताना होगा कि इस लूट में किसको क्या मिला और जनता को आपने 5 सालों में क्या दिया? छत्तीसगढ़ लगातार संगठित राजनेताओं एवं अफसरों के लूट का अड्डा बनता जा रहा है, आरक्षण का पेंच फंसा युवाओं की नौकरी समाप्त कर दी गई है, सुनने वाला कोई नहीं, सरकार पोस्टर में झूठी वाहवाही लेने में मस्त है और कांग्रेस के आलाकमान गुलाबी सड़कों पर चलने में व्यस्त हैं। जनता त्राहीमाम-त्राहीमाम कर रही लेकिन सुनेगा कौन?

अवैध कोयला के कारोबार पर सूरजपुर पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी,108000 हजार रूपये कीमत के 9 टन कोयला सहित 1 गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

अवैध कोयला के कारोबार पर जिले की पुलिस का कार्यवाही निरंतर जारी है। कोयला चोरी तथा अवैध रूप से कोयला परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्राप्त होने वाली सूचना पर पुलिस लगातार कार्यवाही करने में जुटी हुई है। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने अवैध कोयला के कारोबार पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 26.02.2023 को थाना रामानुजनगर पुलिस को मुखबीर ने सूचना दिया कि तिवरागुड़ी निवासी मोहन साहू के द्वारा अपने चिमनी ईट भट्ठे में चोरी का कोयला अवैध रूप से एकत्रित करके रखा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना रामानुजनगर की पुलिस मोहन साहू के चिमनी ईट भट्ठे पहुंची जहां अवैध कोयला करीब 9 टन कीमत करीब 108000/- रूपये का पाया गया, ईट भट्ठा संचालक मोहन साहू से कोयला के संबंध में दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जो कोयला चोरी का होने की पूर्ण अंदेशा पर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी मोहन साहू को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में एएसआई बिसुनदेव पैंकरा, प्रधान आरक्षक हंसराम कनेडिया, आरक्षक धनंजय साहू, आरक्षक कौशल सिंह, विजय चौबे, दिलीप साहू व सैनिक बाबुलाल साहू सक्रिय रहे।

सैनिक विद्यालय कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 2023 का परिणाम जारी हुआ

- संवाददाता -
वाड्रफनगर,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

सैनिक विद्यालय कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 2023 का परिणाम जारी हुआ। जिसमे चाणक्य एकेडमी वाड्रफनगर एवं चाणक्य एकेडमी सुलसुली से मिलाकर 11 बच्चे लिखित परीक्षा में सफल हुए हैं। जिनमें से अन्विक राज आर्यन ,तन्मय तिलक राज,आर्यन सिंह ,रौशन कुमार, अर्पित पाल, कु.नेहल सिंह , सूर्य प्रकाश ,उत्कर्ष पटवा, ऋषिका पटवा, अस्तित्व राज आर्यन, और शौर्य सिंह हैं द्य

एक ही कोचिंग संस्थान से 11 बच्चों का सैनिक विद्यालय में लिखित परीक्षा में सफल होना काफी हर्षोल्लास का विषय है द्य बता दें कि चाणक्य एकैडमी कोचिंग संस्थान विगत 8 वर्षों से बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर एवं सुलसुली में जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा एवं सैनिक विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी करा रहा है।

चाणक्य एकेडमी के संस्थापक आकाश तिवारी से बातचीत के दौरान पता चला कि पिछले सत्र में भी सैनिक स्कूल एवं जवाहर नवोदय विद्यालय में कुल मिलाकर 15 बच्चो का चयन चाणक्य एकेडमी से हुआ था द्य पिछले 2 वर्षो में जितना चयन इस संस्था से हुआ है , पूरे जिले में इतना चयन किसी भी अकेले संस्था से नही हुआ है द्य उन्होंने इस सफलता का का पूर्ण श्रेय संस्था के शिक्षक पंकज चौधरी एवं सुधीर चौधरी सहित समस्त अभिभावकों को दिया है जिनके अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है द्य वर्तमान में चाणक्य एकेडमी का संस्थान बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर एवम सुलसुली में संचालित हैं जिनमे सैकड़ों बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, सहित 10 वीं एवम 12 वी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं जिनकी परीक्षाएं होनी लंबित हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिका की 9 सुत्रीय मांग का समर्थन देने कुसमी पहुँचे भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

- संवाददाता -
कुसमी,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

ब्लाक मुख्यालय के दुर्गा चौक में विगत 09 फरवरी 2023 से चल रहे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ के द्वारा 9 सुत्रीय मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन का समर्थन देने के लिए अजजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राम लखन पैकरा धरना स्थल पहुंचे,जहाँ राम लखन ने कार्यकर्ता सहायिका बहनों के 9 सूत्री मांगों को समर्थन करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेताओ ने हाथ मे गंगाजल लेकर कसम खाते हुए आंगनबाड़ी बहनों को नियमित करने एवं उनका वेतनमान बढ़ाने की वादा किया था,और इन्ही सब वादों के बलबूते पर कांग्रेस सत्ता पर बैठी है लेकिन अब कांग्रेस की सरकार आज उन वादों को भूल गई है, जिसका खामियाजा आने वाले चुनाव में कांग्रेस को उठाना पड़ेगा कार्यकर्ताओ एवं सहायिकाओं बहनों की हड़ताल को सुखनंदन किसान और जिला भाजपा उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल ने भी संबोधित किया गया और कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने हेतु सभी को संकल्प लेने को कहा गया, धरना समर्थन कार्यक्रम में भाजपा मंडल के महामंत्री बालेश्वर राम पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला के उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता मंडल के मंत्री जगन्नाथ मंडल के मंत्री पारस पाल सहित अन्य कार्यकर्ता गण शामिल रहे।

चीन के सत्ताधारी के साथ कांग्रेस का हुआ एमओयू,तोड़ कर माफी मांगें कांग्रेस : अरुण साव

- संवाददाता -
कोरबा,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

रायपुर में कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश के अध्यक्ष अरुण साव ने राहुल गांधी से कुछ सवाल पूछे हैं ,उन्होंने कहा राहुल गांधी देश भक्ति, चीन से युद्ध, कश्मीर में झंडा फहराना, राष्ट्रभक्ति जैसी कई बातें कर रहे थे ऐसे में देश की जनता उनसे जानना चाहेगी -1. चीन से युद्ध की बात करने वाले राहुल गांधी यह बताएं कि क्या उनकी पार्टी अब घोषित रूप से चीन की सत्ताधारी पार्टी के साथ किया एमओयू खत्म करेगी? क्या उस भारतद्रोही समझौते के लिए हाथ जोड़कर भारत से माफी मांगेगी कांग्रेस ? 2. राहुल गांधी चीनी राजनयिकों से अंधेरी रात में मिलने क्यों गए थे, और पहले इस मामले में झूठ क्यों बोला कि वह नहीं मिले थे ? 3. राष्ट्रभक्ति की बात करने वाले राहुल गांधी बताएं कि उन्हीं की पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने कहा था कि जब देश में कांग्रेस सत्ता में थी एवं आतंकवादियों ने हमला कर देश के निर्दोष लोगों की जान ली थी तब कांग्रेस ने जैसी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए थी नहीं की थी। आतंकवादियों के प्रति ऐसा रहम क्यों ? 4. कश्मीर में झंडा फहराने को उपलब्धि बताने वाले राहुल गांधी भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा धारा 370 और 35ए हटाए जाने के पहले कितनी बार कश्मीर में जाकर भारतीय झंडा फहरा कर आए हैं? 5. क्या कांग्रेस अब भी अपने स्टैंड पर कायम है कि वह कश्मीर में धारा 370 को फिर से प्रभावी बनाएगी, जैसा उसने घोषणा पत्र में वादा किया था ? 6. सेना की बात करने वाले राहुल गांधी बताएं कि सेना को मजबूत करने वाली राफेल डील को झूठ बोलकर क्यों रद्द करवाना चाहते थे? 7. क्या एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने पर कांग्रेस माफी मांगेगी? 'उस स्ट्राइक में पाकिस्तानी सैनिक नही मरे, ऐसा असभ्य बयान देने वाले मुख्यमंत्री बघेल को राहुल गांधी कांग्रेस से बर्खास्त करने का साहस दिखायेंगे ? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुणसाव ने कहा कि कांग्रेस को 'हाथ जोड़ कर' अपने सभी देश विरोधी कृत्यों के लिये देश की जनता से माफी मांगनी चाहिये।

कोरबा गोल्ड कप में बि.के वेलफेयर सोसाइटी ने किया कब्जा

- संवाददाता -
कोरबा,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

शहर के बीचोबीच स्थित पाम मॉल में कोरबा गोल्ड कप क्रिकेट कमेटी के द्वारा कोरबा गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें फाइनल खेलते हुए बी.के वेलफेयर सोसाइटी ने 10 ओवर में 99 रन बनाए द्व जिसका पीछा करते हुए सी.जी वेलफेयर सोसाइटी ने 54 रन में ही सिमट कर रह गई द्व बी.के वेलफेयर सोसाइटीने सी.जी वेलफेयर सोसाइटी को हराकर पहली बार आयोजित कोरबा गोल्ड कप में किया कब्जा द्व इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संसदीय सचिव व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन एवं भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा के पूर्व जिला महामंत्री नवीन पटेल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान मुख्य अतिथियों के द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया गया द्व मैच में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एवं प्लेयर ऑफ द मैच सुश्री शमा को दिया गया वही बेस्ट बॉलर सुश्री मधु और बेस्ट फील्डर सुश्री शिलमणि को दिया गया द्व इस दौरान बी.के वेलफेयर टीम की कप्तान ने अपने साथियों को दी बधाई एवं आने वाले टूर्नामेंट में इसी तरह का परफॉर्मेंस दिखाने की शुभकामनाएं दी द्व कार्यक्रम में सेंटी ग्रुप के कलाकारों के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विशिष्ट अतिथि साहेब के संचालक भूपेंद्र सिंह गांधी, आयुष मोदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा बांकीमोगरा सतीश झा, पूर्व मंडल अध्यक्ष भिलाई बाजार नरेंद्र पाटनवार, धरम भारद्वाज, मनमोहन चंद्रा, कोरबा गोल्ड कप कमेटी के सदस्य धीरज राकेचा, मितेश सिंह, जीतू मोटवानी, सोनू पाजी, नीरज जायसवाल,नरेंद्र साहू एवं बड़ी संख्या में क्रिकेट खेल प्रेमी व खिलाड़ी गण उपस्थित रहे।

हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत यात्रा बालको राम मंदिर किया जाएगा प्रारंभ प्रारम्भ

- संवाददाता -
कोरबा,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत यात्रा दिनांक 28/02/2023 को राम मंदिर बालको से प्रातः 09 बजे प्रारम्भ होकर परसा भांठा से आई टी आई चौक पहुंचेगी जहां रामपुर की त्रयंबकेश्वर नाथ सेवा समिति की महिलाओं के साथ श्रीमती सुमन सोनी दीदी के द्वारा संतो का स्वागत किया जाएगा उसके बाद कोसाबाड़ी होते हुए ब्लू बर्ड पब्लिक स्कूल के पास सी एस ई बी के लोगों के द्वारा स्वागत किया जाएगा द्व फिर वहां से सुभाष चौक में श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर शिवाजी नगर के भागवताचार्य श्री कृष्णा द्विवेदी जी के द्वारा स्वागत किया जाएगा द्व उसके बाद वहां से घंटा घर त्रिपुर सुंदरी मंदिर एम पी नगर होते हुए भीमराव आम्बेडकर ओपन थियेटर में धर्म सभा पश्चात सी एस ई बी चौक होते हुए पुराना बस स्टैंड सप्तदेव मंदिर में विश्राम के लिए रुकेंगे। विभिन्न स्थानों में स्वागत कार्यक्रम रखा गया है द्व धर्म सभा मे सिद्ध पीठ गिरिजा वधम श्री हनुमान मंदिर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा, वाराणसी के संत तारकेश्वर महराज संत पद्मिनी संत सोनपुरी संत राजेश्वर गिली, संत बनवारी पूरी, संत रामरूप दास जी महाराज मदकू द्वीप विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत कार्यवाहक अध्यक्ष श्री चंद्र शेखर वर्मा जी उपस्थित रहेंगे।

कुसमी के किसान की स्ट्रॉबेरी के फसल से निकलने लगा है स्ट्रॉबेरी के मीठे-मीठे फल

- संवाददाता -
कुसमी,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के छोटे छोटे गांव एवं शहरों में कभी स्ट्रॉबेरी का फल बहुत कम लोगो को देखने को मिलता है लेकिन अब इसकी खेती कुसमी अंचल के किसान कर रहे है और स्थानीय मार्केट में बिक्री कर लोगो को इसके स्वाद से भी कुछ सालों से रूबरू करा रहे है, जैसा कि जो जानकारी हमारे पास है उसके मुताबिक पिछले कुछ साल पहले से कुसमी क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की फसल किसान लगा रहे है लेकिन किसानों तक इसे लाने में शासन प्रशासन का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है ,दरसल कुसमी विकासखण्ड का क्षेत्र का तापमान अन्य जगहों की अपेक्षा ठंठ होने की वजह से इसकी फसल यहाँ होने की उम्मीद जताई गई थी और बलरामपुर जिला प्रशासन ने जहाँ किसानों को मजबुत एवं आये में इजाफा हो सके इसे लेकर शासन के पास इसका प्रोजेक्ट भी रखा था फिर शासन ने जिला प्रशासन की इस प्रोजेक्ट में सहमती दी और जिला प्रशासन ने उद्यान विभाग की मदद से किसानों को स्ट्रॉबेरी की फसल लगाने की जानकारी के साथ साथ पौधे भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे ,जिसके तहत किसानों ने पौधे लेकर स्ट्रॉबेरी की फसल करना शुरु किया था ,लेकिन इस फसल में किसानों को काफी देख रेख करना पड़ता है क्योंकि फल मीठे और रसीले होने की वजह से कई तरह के पशु पक्षी से भी इसकी बचाव करनी पड़ती है,जैसा कि कुसमी वार्ड क्रमांक 04 के किसान नीतेश कुजूर अपने घर के बाड़ी में स्ट्रॉबेरी की फसल लगाकर अच्छा लाभ कमा रहे है,स्ट्रॉबेरी का फल सेहत के लिये काफी लाभदायक होता है इसलिए इसके फल का दाम अन्य फलों की अपेक्षा कुछ महंगा होता है कुसमी में करीब 200 से 250 के बीच किसान बेच रहे है स्थानीय मार्केट में साथ ही पड़ोसी जिले के बड़े शहरों में भी भेजते है,नितेश ने बताया कि अगस्त से इसकी खेती शुरू की जाती है पहले बीज से पौधा तैयार कर पौधे को एक दुरी के हिसाब से लगाया जाता है फिर खाद पानी देकर ठंठ में पाले से भी बचाया जाता है हमारे खेत मे ड्रीप सिस्टम के जरिये पानी पौधे तक पहुँचाया जा रहा है करीब 6 माह की सेवा करने के बाद फरवरी से लेकर बारिश से पहले तक पौधे से फल मिलती है,नितेश कुजूर ओर परिवार के सदस्यों की कड़ी मेहनत से इनके खेत मे स्ट्रॉबेरी की फल का आकर भी काफी बड़ा बड़ा और खाने में काफी राशीला भी फल है जिसके चलते लोग इनके बाड़ी के स्ट्रॉबेरी के फल ज्यादा पसंद भी करते है,बहरहाल कुसमी जैसे जगह के युवा वर्ग किसान नई नई फसल को करने में अब रुचि दिखा रहे है जिसकी वजह से स्ट्रॉबेरी जैसे फल का स्वाद भी यहाँ के लोग ले रहे है,

लाहिड़ी मेमोरियल हाई स्कूल जी एम कॉम्प्लेक्स का वार्षिकोत्सव संपन्न

- संवाददाता -
खडगवा,27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

लाहिड़ी मेमोरियल हाई स्कूल जी एम कॉम्प्लेक्स का वार्षिकोत्सव एसईसीएल चिरिमिरी क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक श्री नवनीत श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य एवं वरिष्ठ अतिथिदय श्रीमती संगीता श्रीवास्तव अध्यक्ष संपदा महिला मंडल,श्रीमती रंजना पांडे,श्रीमति ज्योति गोलाईत, श्री रजनीश पांडे स्टाफ आफिसर सिविल ,श्री प्रभाकर गोलाइट एस.ओ.सिविल,श्री संजय कुमार दास एपीएम एसईसीएल चिरिमिरी क्षेत्र एवं प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे अध्यक्ष लाहिड़ी शिक्षण समिति के अध्यक्षता में संपन्न हुआ ।ज्ञात हो कि विद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार की देशभक्ति एवं क्षेत्रीय लोकनृत्य , ज्ञानवर्धक नाटक जैसी प्रस्तुतियां की गई जिसमें प्रमुख रूप से छोटे बच्चों का स्वागत नृत्य और छत्तीसगढ़ी परंपरागत त्योहारों को प्रदर्शित करता नृत्य, पंथी नृत्य, मोबाइल एवम सोशल मीडिया के लाभ एवं हानि को बताता हुआ ज्ञानवर्धक नाटक, बच्चों का लेजी डांस, छत्तीसगढ़ के आदिवासी संस्कृति के नृत्य, गुजराती, राजस्थानी, पंजाबी लोक नृत्य के साथ-साथ छोटे बच्चों के द्वारा नृत्य, फैंसी ड्रेस एवं कब्बाली की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नवनीत श्रीवास्तव द्वारा बच्चों और शिक्षको को अच्छे कार्यक्रम की प्रस्तुति हेतु बधाई देते हुए स्कूल के बच्चों के छत्तीसगढ़ी नृत्य को भविष्य में होने वाले कंपनी स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित करने की बात कहते हुए बच्चों को आगे बढ़ने हेतु और परिश्रम करने की सलाह दी गई ,कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर भागवत प्रसाद दुबे द्वारा बच्चों को अपने सर्वांगीण विकास करने हेतु पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी रुचि लेने की बात कही गई। वार्षिकोत्सव में प्रमुख रूप से विद्यालय समिति के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक एवं बच्चों की उपस्थिति रही कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील कुमार एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य नरेंद्र कुमार निर्मलकर द्वारा किया गया।

फॉरेस्ट के जमीन से पत्थर खोद कर ले जा रहे पोड़ी के क्रेशर संचालक चढ़ा रहे हैं हरे भरे पेड़ों की भी बलि हो रहा हो रहा है जंगल का सफाया

वन परिक्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी आखिर क्यों मेहरबान हैं खुलेआम दे रखा हैं संरक्षण

- राजेन्द्र शर्मा-
खडगवा,27 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

पोडी वन परिक्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी के साठ गाँठ से जंगल मे चल रहा अवैध पत्थर की खुदाई व ढुलाई, का कार्य धड़ल्ले जारी है गंगापुर सागरपुर बड़े सालही बैमा लोटाबहरा में हो रहे अवैध पत्थर खोदाई का वन अमले ने दे रखी है मौन सहमति पोडी बचरा वन क्षेत्र में अवैध पत्थर खोदाई ढुलाई, खुले आम जारी है जंगलों से बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर की खुदाई खुले आम करके ट्रेक्टर से पत्थर क्रेशर में सप्लाई की जा रही है। पोडी बचरा से लगे वन परिक्षेत्र लोटाबहरा गंगापुर सागरपुर बैमा बडे सालही वन परिक्षेत्र के जंगलों में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर की खुदाई पत्थर माफियाओं द्वारा खुले आम की जा रही है जिन पर खनिज विभाग वन विभाग के द्वारा इन पत्थर माफियाओं पर कार्यवाही करने में हाथ पांव फूलने लगते है। वन अमला नाम भर का है किसी तरह से अवैध पत्थर माफिया जंगलों में पहाड़ों के नीचे जेसीबी लगाकर खुले आम खुदाई की जाती है।वन विभाग को ग्रामीणों ने मौखिक सूचना देने के बाद भी किसी तरह से कोई कार्यवाही नही की जाती हैं। इस तरह से अवैध उत्खनन से आने वाले दिनों में वन एवं पहाड़ पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा जिसका जिम्मेदार वन विभाग होगा। ऐसे में देखा जा सकता है जिसका काम वन सम्पदा की रक्षा करने का दायित्व है वे खुद ही मुह मोड़े हुए है।

नसबंदी के बाद महिला ने बच्चे को दिया जन्म बच्चे के भरण-पोषण के लिए मुआवजे की मांग

- संवाददाता -
लखनपुर, 27 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला के लखनपुर विकासखंड के ग्राम गोरता में नसबंदी करा चुकी महिला ने तीसरे बच्चे को जन्म दिया है। मजदूरी का काम करने वाले यह परिवार अब बच्चे के पालन पोषण को चिंतित है । बच्चे के पालन-पोषण के लिए स्वास्थ्य विभाग से मुआवजे की मांग की है। ग्राम गोरता झवरपारा निवासी ग्रामीण महिला सिनी पति राजेन्द्र रजवाड़े ने बताया कि उनके पति मजदूरी का कार्य करते हैं और पहले से ही उनका एक लड़का और एक लड़की है। जिसके बाद उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन शिविर में मितानिन के साथ जाकर जांच कराया जांच उपरांत अंबिकापुर जिला चिकित्सालय में दिसंबर 2021 में नसबंदी ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के 3 माह बाद ही महिला प्रेगनेंट हो गई और फरवरी 2023 में महिला ने बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद इसकी सूचना महिला और उसके परिजनों के द्वारा लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों को दी तथा बच्चे के पालन पोषण के लिए स्वास्थ्य विभाग से से मुआवजे की मांग की जा रही है। फिलहाल महिला और महिला के परिजन बच्चे के पालन पोषण को लेकर चिंतित है। गौरतलब है कि ,,हम दो हमारे दो,, बच्चे दो ही अच्छे,, परिवार नियोजन की सरकारी मुहिम का यह नारा तो ठीक है लेकिन जब नसबंदी के बाद भी बच्चा पैदा होने लगे तो जनसंख्या पर लगाम लगाने की मुहिम को कामयाबी कैसे मिलेगी।

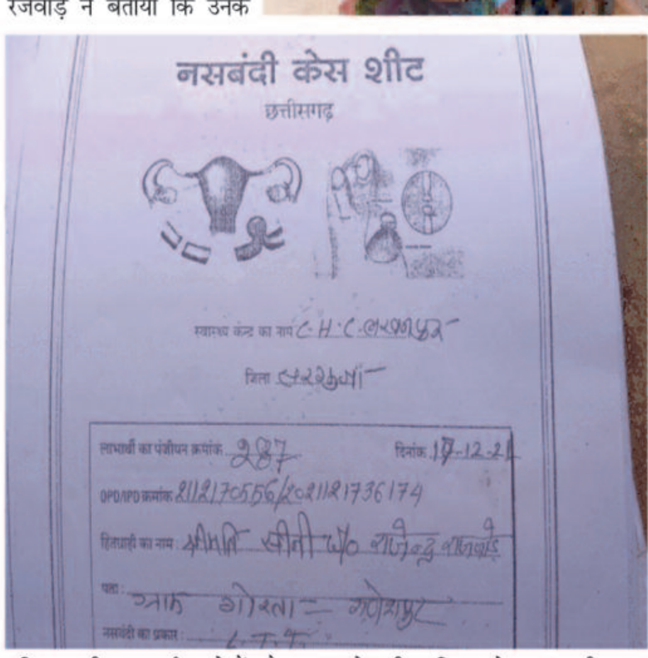

मितानिन सुमित्रा राजवाड़े से संबंध में बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि सिमी पति राजेंद्र रजवाड़े के दो बच्चे के बाद आगे बच्चा नहीं चाहते थे। 17 दिसंबर 2021 को इनका जिला चिकित्सालय में नसबंदी ऑपरेशन हुआ था फरवरी 2023 में महिला ने तीसरे बच्चे को जन्म दिया है इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के एमपीडब्ल्यू सिस्टर को जानकारी दी जिस पर उन्होंने कहा इस पर अब क्या कर सकते हैं दोबारा नसबंदी कराना पड़ेगा।

सुमित्रा राजवाडे मितानिन

लखनपुर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को से संबंध पर बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि यह मामला संज्ञान में आया है इसकी जांच कराई जाएगी। शासन के गाइडलाइन के अनुसार जो सहयोग होगा महिला को दिया जाएगा।

डॉक्टर पीएस मार्को
खंड चिकित्सा अधिकारी

खाद्य विभाग के संरक्षण में चल रहा पीडीएस चावल का अफरा-तफरी : सिन्हा

- संवाददाता -
कोरबा, 27 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा ने जारी एक बयान में बताया कि जिला खाद्य विभाग के संरक्षण में पीडीएस चावल की हेराफेरी लगातार जारी है जो चिंता का विषय है। सिन्हा ने बताया कि पीडीएस चावल की खरीद-बिक्री से संबंध है। अनेक सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों द्वारा खाद्य विभाग जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अवगत कराया जा चुका है कि जिले में साप्ताहिकी बाजारों से लेकर शासकीय गोदाम सहित अनेक स्थानों पर पीडीएस चावल जो गरीबों के लिए वरदान है उस चावल की खरीद बिक्री जारी है लेकिन आज दिनांक तक खाद्य विभाग द्वारा जिले में कहीं भी पीडीएस चावल की धर-पकड़ स्वयं विभाग के माध्यम से नहीं किया गया बल्कि आम नागरिकों के दिए सूचना पर जब कोई पीडीएस चावल कहीं खपाने जा रहा है तब गाड़ी वाले को पुलिस और खाद्य विभाग पकड़ कर अपनी वाहवाही लूटने की फिराक में रहते हैं जबकि वास्तविकता तो यह है कि जिले के डीडीएम की साप्ताहिकी बाजारों सहित कई जगह धड़ल्ले से खरीद-बिक्री लगातार हो रही है तथा शासकीय गोदाम से चावल ले जाकर अधिकतर डीडीएम रोड में एक व्यापारी जो करोड़ों का पीडीएस चावल खरीद कर हेराफेरी करता है उसके पास विक्रय कर देते हैं। यह सब जानकारी संबंधित विभाग के

पास मौजूद है लेकिन उन्होंने स्वयं कभी भी छापामारी करके पीडीएस चावल नहीं पकड़ा। जब आम जनता व नागरिकों को दिखाई देता है कि कहीं गाड़ी पीडीएस चावल लेकर जा रहा है और यह अफरा-तफरी वाला हो सकता है तो संबंधित विभाग पुलिस को सूचना देने पर उस गाड़ी की जब्ती की जाती है और उसके बाद किसी ना किसी बहाने उसे मुक्त भी कर देते हैं ढ्ढ इससे पता चलता है एक बहुत बड़ी लाबी इस काम में करोड़ों की कमाई अवैध रूप से कर रही है । विगत शाम जिला नागरिक आपूर्ति भंडारण से शिवाजी नगर कॉलोनी में पीडीएस दुकानदार के यहां 32 क्विंटल चावल माजदा गाड़ी नंबर सीजी 12ड्ड3224 में चावल शिवाजी नगर के बजाय काला बाजार में बेचने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर की ओर जाते हुए एक नागरिक द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने पकड़ा है। इसके पूर्व भी आम नागरिकों की सूचना पर कई बार खाद्य निगम की गोदामों से लोड चावल कालाबाजारी के लिए गोदाम में जाते हुए पकड़ा गया है लेकिन खाद्य विभाग ने कभी भी एक भी गाड़ी पीडीएस चावल खरीद बिक्री करने वाले का जप्त नहीं किया व उन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जो संदेह के घेरे में आता हैं। खाद्य विभाग का ऐसा होना चिंता का विषय है। सिन्हा ने आगे बताया कि जिला प्रशासन को चाहिए कि निष्क्रिय खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को बर्खास्त कर देना चाहिए।

राजस्व मंत्री ने शहर के सफाई कार्यो का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
कोरबा, 27 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

प्रदेश के राजस्व आपदा प्रबंधन मंत्री एवं जिले के विधायक जयसिंह अग्रवाल ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 06 पुरानी बस्ती कोरबा एवं वार्ड क्र. 21 बुधवारी व कांशीनगर आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर निगम द्वारा संचालित किए जा रहे साफ-सफाई कार्यो का सघन निरीक्षण किया तथा सफाई कार्यो को एक बड़े अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होने वार्डवासियों से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याओं व विकास संबंधी आवश्यकताओं पर चर्चा की तथा समस्याओं के निराकरण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद सहित पार्षदगण उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान इतवारी बाजार व्यापारी संघ के सदस्यों ने राजस्व मंत्री से भेंट कर अपनी समस्याओं की जानकारी दी, जिस पर राजस्व मंत्री ने त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। राजस्व मंत्री ने घंटाघर ओपन थियेटर स्थित चौपाटी के समीप नगर पालिक निगम केरबा द्वारा निर्मित की जा रही सीमेंट कांक्रीट रोड का निरीक्षण किया गया एवं कार्य की गुणवत्ता को देखा तथा कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, निर्धारित मानक के अनुसार कार्य संपादित कराने तथा समय सीमा में कार्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।विशेष स्वच्छता अभियान के निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जहां पर नालियां टूटी-फूटी हुई हैं, उनका प्राथमिकता के साथ जीर्णोद्धार कराया जाए तथा जहॉं नए नाली के निर्माण की आवश्यकता है, वहॉं पर नई नालियॉं बनाई जाएं। उन्होने कहा कि ओपन नालियों को ढकने की कार्यवाही भी कराएं तथा आवश्यकतानुसार स्लैब आदि के माध्यम से नदियों को ढके, नालियों की लगातार सफाई कराएं ताकि पानी व कचरे के जमाव की स्थिति न बने तथा पानी की निकासी निर्वाध रूप से होती रहे। इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद के साथ ही एम.आई.सी.सदस्य प्रदीप जायसवाल, सुखसागर निर्मलकर, पार्षद धरम निर्मले, एल्डरमैन सनददास दीवान, बच्चूलाल मखवानी, गौरी चौहान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सुनील वर्मा, वरूण गोस्वामी आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-मानपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मोहनलाल अग्रवाल पिता गंगाबिशुन अग्रवाल जाति-अग्रवाल, निवासी ग्राम शिवनंदनपुर,तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम -मानपुर प.ह.न.-12 रा.नि.म.-सूरजपुर तहसील-सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रं. 2629/2 रकबा 0.067 हे0 को व्यवसायिक प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव उक्त संबंध में ग्राम-मानपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07/03/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 21/02/2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **विशेष कर्त्तव्याधिकारी**, भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202302020700065

विषय:-ब-121,मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्-2022-2023
सपना प.ह.न. 00028(हे)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-जयलाल
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक जयलाल आ0 विगन,निवासी ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नम्बर 50/1, 67, 68/1, 352/2, 352/4, 393, 395/1 396/3, 393/6, 398/2, 400/2, 479/2, 535/4, 911, कुल खसरा नम्बर 14 कुल रकबा 1.929 हे0 भूमि का ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदान किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/03/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/02/2023 को जारी किया जाता है।

सील — **तहसीलदार**, अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार नजूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग मंत्रालय,महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 11/09/2023 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक/आवेदिका संगम जायसवाल आ0 स्व0 सुशील कुमार निवासी ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला नमनाकला अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 243/1 रकबा 39.04 एकड़ में से 185.64 वर्गमीटर भूमि जिस पर आवेदक के द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2017 के पूर्व से मकान कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/03/2023 तक व्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 15/02/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल तहसीलदार**, अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार नजूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग मंत्रालय,महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 11/09/2023 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक/आवेदिका संगीता जायसवाल पति स्व0 सुशील कुमार निवासी ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला नमनाकला अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 243/1 रकबा 39.04 एकड़ में से 89.25 वर्गमीटर भूमि जिस पर आवेदक के द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2017 के पूर्व से कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/03/2023 तक व्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 15/02/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल तहसीलदार**, अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार नजूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग मंत्रालय,महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 11/09/2023 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक/आवेदिका श्याम किशोर मिश्रा स्व0 कामेश्वर मिश्रा निवासी ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला नमनाकला अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 243/1 रकबा 39.04 एकड़ में से 182.4 वर्गमीटर भूमि जिस पर आवेदक के द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2017 के पूर्व से मकान कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/03/2023 तक व्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 15/02/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल तहसीलदार**, अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-6-अ/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवराम आ0 स्व0 पीला राम,जाति कंवर, निवासी ग्राम कंचनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115,116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम कंचनपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 750/11, 819/5, कुल रकबा 2.61 एकड़ भूमि स्थित है। जो आवेदक को म0प्र0 शासन द्वारा दिनांक 29/03/1978 को पट्टे पर प्राप्त हुई है। वादभूमि मैनुअल रिकार्ड में आवेदक के नाम पर दर्ज था, परंतु वर्तमान कम्प्युटरीकृत राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश विलुप्त हो गया है। आवेदक द्वारा वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त खसरा नम्बर को आवेदक के नाम पर दर्ज किए जाने हेतु निवेदन किया गया है जो जांच एवं प्रविवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/03/2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 27/02/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नायब तहसीलदार**, अम्बिकापुर-02

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- 202302021200068 // अ-6 // 2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमोद सोनकर आ0 स्व0 फेकूराम सोनकर, उम्र- 41 वर्ष निवासी- सत्तीपारा, बेचन कालोनी के पास, शिव मंदिर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0, के द्वारा बताया गया कि आवेदक की पिता फेकुराम सोनकर आ0 आ0 बुधेराम सोनकर के स्वामित्व व हक की शीट नम्बर - 02, मोहल्ला-सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर, स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 653/2, 758/8, रकबा 217.3, 2943 वर्गफिट भूमि है। नजूल भू-खण्ड क्रमांक 653/2, 758/8, रकबा 217.3, 2943 वर्गफिट में से रकबा क्रमशः 100, 1148.33 वर्गफिट को फेकुराम सोनकर आ0 बुधेराम सोनकर के द्वारा अपने जीवनकाल पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 14.12.2022 के द्वारा प्रमोद सोनकर आ0 स्व0 फेकुराम सोनकर, उम्र- 41 वर्ष निवासी-सत्तीपारा, बेचन कालोनी के पास, शिव मंदिर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 को प्रदान कर दिया गया है। खातेदार प्रमोद सोनकर आ0 स्व0 फेकुराम सोनकर, की मृत्यु दिनांक 21.01.2023 हो चुकी है। अतः भू-धारक के फौत होने के कारण वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम दर्ज किया जाये। आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/03/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक-24 / 02/ 2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी**, अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- 202302021200059 / अ-6 / 2022-23

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सीता सोनकर पति कमल सोनकर, उम्र- 50 वर्ष निवासी- सत्तीपारा, बेचन कालोनी के पास, शिव मंदिर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0, के द्वारा बताया गया कि आवेदक की पिता फेकूराम सोनकर आ0 आ0 बुधेराम सोनकर के स्वामित्व व हक की शीट नम्बर - 02, मोहल्ला- सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर, स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 653/2, 758/8, रकबा 217.3, 2943 वर्गफिट भूमि है। नजूल भू-खण्ड क्रमांक 653/2, 758/8, रकबा 217.3 , 2943 वर्गफिट में से रकबा क्रमशः 108.30, 1794.97 वर्गफिट को फेकुराम सोनकर आ0 बुधेराम सोनकर के द्वारा अपने जीवनकाल पंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 14.12.2022 के द्वारा प्रमोद सोनकर आ0 स्व0 फेकुराम सोनकर, उम्र- 41 वर्ष निवासी-सत्तीपारा, बेचन कालोनी के पास, शिव मंदिर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 को प्रदान कर दिया गया है। खातेदार प्रमोद सोनकर आ0 स्व0 फेकुराम सोनकर, की मृत्यु दिनांक 21.01.2023 हो चुकी है। अतः भू-धारक के फौत होने के कारण वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम दर्ज किया जाये। आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी ब्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27/03,/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक-24,/02 2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी**, अम्बिकापुर

आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप 2023 टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी रिचा घोष का नाम शामिल

केपटाउन,27 फरवरी 2023। (आईएएनएस)7 दक्षिण अफ्रीका में 2023 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के समापन के बाद टूर्नामेंट की टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष जगह बनाने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। अप्रत्याशित रूप से चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की ओर से चार खिलाड़ियों ने प्लेइंग इलेवन में जगह बनाई है, उपविजेता दक्षिण अफ्रीका के साथ एक तिकड़ी है, जिसके बाद इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज में दो खिलाड़ी और एक प्रतिनिधि हैं। आयरलैंड का भी एक प्रतिनिधि है, लेकिन वह 12वें खिलाड़ी के रूप में है।

रिचा दक्षिण अफ्रीका में पिछले महीने आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में एक विजयी भारतीय अभियान के पीछे टूर्नामेंट में आई थीं। वह पहले तीन मैचों में नॉटआउट रही और 68 की औसत और 130.76 की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए।

टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 47 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ आया, हालांकि भारत 11 रन से हार गया। ऋचा ने पांच कैच और दो स्टंपिंग सहित सात सफल अवसरों के साथ टूर्नामेंट का नेतृत्व किया, जो भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी एलिसा हीली, डार्सी ब्राउन और मेगन के साथ शामिल हैं, जबकि इंग्लैंड के नेट साइवर-ब्रंट को टूर्नामेंट की टीम का कप्तान चुना गया है।

पूरे टूर्नामेंट में 110 रन बनाने और 10 विकेट लेने के बाद तालिका में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहने के लिए एशले को चुना गया है। ऑफ स्पिनर ने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज किए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज में 12 रन देकर पांच विकेट लिए।

विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा ने ऑस्ट्रेलिया के विजयी अभियान के दौरान 47.25 की औसत से 189 रन बनाए और क्रमश- न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट मं एक कैच और तीन स्टंपिंग भी की।

डार्सी ने पूरे टूर्नामेंट में सात विकेट लिए, केवल पांच की इकोनॉमी का आंकड़ा दर्ज किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 78 डॉट बॉल फेंकी। श्रीलंका के खिलाफ 24 रन देकर चार विकेट झटके।

नेट, इंग्लैंड की उप-कप्तान को तीन बार 216 रन बनाने वाली प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के बाद टीम का कप्तान नामित किया गया है। ऑलराउंडर ने टूर्नामेंट में 28 चौके लगाए।

उनकी टीम के साथी बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज थी। उन्होंने हर खेल में कम से कम एक विकेट लिया, उनके सर्वश्रेष्ठ आंकड़े आयरलैंड के खिलाफ आए, जहां उन्होंने 13 रन देकर तीन विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका से तजमिन ब्रिट्स, लौरा वोल्वार्डट और शबनीम इस्माइल शामिल हैं। ताजमिन ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में पहुंचाने के लिए बैक-टू-बैक अर्धशतक लगाए, जिससे पूरे टूर्नामेंट में 186 रन बने। सेमीफाइनल में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया क्योंकि उन्होंने स्टार प्रदर्शन में चार कैच लेने से पहले 55 गेंदों में 68 रन बनाए।

लौरा तीसरे नंबर पर हैं विश्व कप के दौरान उन्होंने कई शनदार पारियां खेली, जिसमें कई चौके और छक्के शामिल हैं

तेज गेंदबाज शबनम ने आठ विकेट झटके। उन्होंने सेमीफाइनल के दौरान टूर्नामेंट में सबसे तेज गेंद फेंकी, साथ ही तीन मेडन फेंकी, किसी भी अन्य गेंदबाज ने एक से अधिक रन नहीं बनाए।

वेस्टइंडीज के एकमात्र प्रतिनिधि, करिश्मा रामहरकको उनके प्रभावशाली औसत के लिए केवल 10.00 के लिए चुना गया है। ऑफ स्पिनर ने टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत के खिलाफ 14 रन पर दो विकेट के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ तीन मैचों में पांच विकेट लिए।

युवा आयरलैंड के स्टार ओर्ला प्रेंडरगास्ट को आयरलैंड के लिए ब्रेकआउट विश्व कप के बाद 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया है, जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 61 सहित 109 रन बनाए। गेंद के साथ उन्होंने तीन विकेट भी लिए और मैदान में प्रभावशाली दिखीं, क्योंकि उन्होंने हरफनमौला प्रदर्शन किया।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए टूर्नामेंट की टीम - तजमिन ब्रिट्स (दक्षिण अफ्रीका), एलिसा हीली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्डट (दक्षिण अफ्रीका), नेट साइवर-ब्रंट (कप्तान) (इंग्लैंड), एशलेग गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), ऋचा घोष (भारत), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), करिश्मा रामहरैक, शबनम इस्माइल (दक्षिण अफ्रीका), डार्सी ब्राउन (ऑस्ट्रेलिया), मेगन शुट्ट (ऑस्ट्रेलिया) और ओरला प्रेंडरगैस्ट (आयरलैंड, 12वीं खिलाड़ी)।

अगर आप भारत में रन नहीं बनाओगे तो आलोचना होगी

कोलकाता ,27 फरवरी 2023। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अपने काम से जुड़ी भारी उम्मीदों को देखते हुए लंबे समय तक खराब प्रदर्शन के कारण लोकेश राहुल के लिए तीखी आलोचना से बचना मुश्किल होगा, विशेषकर जब पूर्व क्रिकेटरों ने उच्च मानक स्थापित किए हों। उपकप्तानी से हटाए गए राहुल अपनी पिछली 10 टेस्ट पारियों में 25 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाए हैं। उन्होंने 47 टेस्ट में 35 से कम के औसत से रन बनाए हैं जो उनकी क्षमता की वास्तविक झलक पेश नहीं करता।

दिल्ली कैपिटल्स के आईपीएल सत्र पूर्व शिविर से इतर गांगुली ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''जब आप भारत में रन नहीं बनाते हैं तो निश्चित रूप से आपकी आलोचना होगी। लोकेश राहुल अकेले नहीं हैं। अतीत में भी कई खिलाड़ियों को इस स्थिति का सामना करना पड़ा है।'' भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे खेलने वाले गांगुली ने कहा, ''खिलाड़ियों पर बहुत दबाव होता है और उन पर बहुत ध्यान दिया जाता है। टीम प्रबंधन को लगता है कि वह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। अंत में महत्वपूर्ण यह है कि कोच और कप्तान क्या सोचते हैं।'' राहुल ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली हैं लेकिन गांगुली ने कहा कि यह स्पष्ट है कि लोग राहुल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी से अधिक उम्मीद करते हैं जिन्होंने नौ वर्षों में सिर्फ पांच टेस्ट शतक बनाए हैं होंने कहा, ''उसने प्रदर्शन किया है लेकिन निश्चित रूप से आप भारत के लिए खेलने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज से कहीं अधिक उम्मीद करते हैं क्योंकि दूसरों द्वारा निर्धारित मानक बहुत ऊंचे हैं।'' गांगुली ने कहा, ''जब आप कुछ समय के लिए असफल होते हैं तो बेशक आलोचना होगी। मुझे यकीन है कि राहुल में क्षमता है और मुझे यकीन है कि जब उन्हें अधिक अवसर मिलेंगे तो उन्हें रन बनाने के तरीके खोजने होंगे।''

राहुल की समस्या तकनीकी है या मानसिक? यह पूछने जाने पर गांगुली ने कहा, ''दोनों।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष ने राहुल के रन नहीं बना पाने के बारे में दिलचस्प जानकारी दी क्योंकि वह हाल के दिनों में सभी तरह की परिस्थितियों में तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनरों के खिलाफ भी आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर आप इस तरह की पिचों पर खेल रहे हैं तो यह और भी मुश्किल हो जाता है क्योंकि गेंद टर्न होने के साथ उछाल भी ले रही है। असमान उछाल है और जब आप फॉर्म में नहीं होते हैं तो यह और भी कठिन हो जाता है।'' शुभमन गिल को अंतिम एकादश में शामिल करने की मांग हो रही है लेकिन गांगुली को लगता है कि पंजाब के इस खिलाड़ी को मौके मिलेंगे और अगर उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़े तो कोई नुकसान नहीं है। शुभमन बेहतरीन फॉर्म में होने के बावजूद अंतिम एकादश में जगह नहीं बना पा रहे हैं।

गांगुली ने कहा, ''मुझे यकीन है कि जब उसका समय आएगा तो उसे भी बहुत सारे मौके मिलेंगे। मुझे लगता है कि चयनकर्ता, कप्तान और कोच उसके बारे में सोचते हैं और उसे बहुत उच्च दर्जा देते हैं। यही कारण है कि वह एकदिवसीय और टी20 खेल रहा

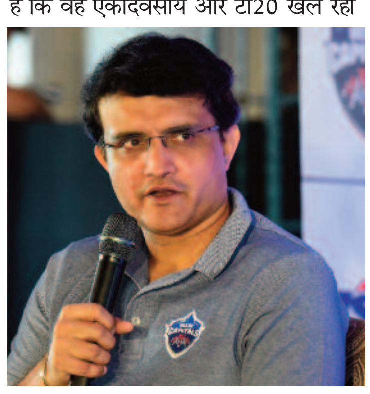

है और उसने प्रदर्शन भी किया है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन इस समय शायद टीम प्रबंधन का संदेश है कि उसे इंतजार करना होगा।'' भारत ने दोनों टेस्ट में जीत हासिल की है लेकिन कप्तान रोहित शर्मा को छोड़कर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अर्धशतक नहीं बनाया है। क्या स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज दबदबा नहीं बना पा रहे, गांगुली ने कहा, ''मुझे ऐसा नहीं लगता। ये बहुत कड़े विकेट हैं। मैंने पहले दो टेस्ट में देखा और यह आसान नहीं है। अश्विन, जडेजा, लियोन और नए खिलाड़ी टॉड मर्फी को खेलना, यह कभी भी आसान नहीं होता क्योंकि कुछ गेंद काफी टर्न करती हैं। यहां असमान उछाल है, स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है।'' भारत ने शुरुआती दो टेस्ट कुल मिलाकर पांच दिन के अंदर जीते और गांगुली इससे हैरान नहीं है।

उन्होंने कहा, ''भारत अपने देश में अलग टीम है। वे हर जगह काफी अच्छी टीम हैं लेकिन भारत में उन्हें हराना काफी कठिन है। जब गेंद स्पिन लेने लगती है तो वे किसी भी अन्य टीम से बेहतर हैं।'' क्या 4-0 से जीत भारत के लिए वास्तविक संभावना है?, गांगुली ने कहा, ''मुझे ऐसा लगता है। मुझे नहीं पता कि ऑस्ट्रेलिया इसे कैसे रोक सकता है।'' उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि हम इस ऑस्ट्रेलियाई टीम की अतीत की टीमों से तुलना करते रहते हैं और यह समान नहीं है। आपके पास मैथ्यू हेडन, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिंग, स्टीव और मार्क वॉ, (एडम) गिलक्रिस्ट नहीं हैं। आपके पास उस स्तर के खिलाड़ी नहीं हैं।'' गांगुली ने कहा, ''स्टीव स्मिथ एक शानदार खिलाड़ी हैं। (डेविड) वार्नर लय हासिल नहीं कर पाया है, (मार्नस) लाबुशेन एक अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन ये उनके लिए भी कठिन परिस्थितियां हैं।'' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''हम ऑस्ट्रेलियाई टीमों के साथ यह गलती करते हैं कि हमें लगता है कि वे स्टीव वॉ की ऑस्ट्रेलियाई टीम है लेकिन ऐसा नहीं है। अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग खिलाड़ियों की अलग-अलग परीक्षा होती है।''

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक गांगुली के लिए सबसे कठिन चुनौतियों में से एक ऋषभ पंत की जगह भरना है जो हाल ही में एक भयानक दुर्घटना में चोटिल होने और फिर सर्जरी के बाद उपलब्ध नहीं हैं। गांगुली ने कहा, ''मैंने उनसे कई बार बात की। जाहिर तौर पर वह चोटों और सर्जरी के बाद कठिन दौर से गुजर रहे हैं और मैं उनके अच्छे होने की कामना करता हूं। एक साल में या कुछ वर्षों में हो सकता है कि वह भारत के लिए दोबारा खेले।'' क्या वह पंत को आईपीएल के दौरान कुछ समय टीम के साथ देखना पसंद करेंगे जिससे उनके उबरने में भी मदद मिल सके। गांगुली ने कहा, ''पता नहीं। हम देखेंगे।''

दिल्ली की टीम ने अब तक पंत के विकल्प की घोषणा नहीं की है और गांगुली अभी तक फैसला नहीं कर पाए हैं कि युवा अभिषेक पोरेल और अनुभवी शेल्डन जैकसन के बीच बेहतर कौन है। डेविड वार्नर को टीम की कमान सौंपे जाने की संभावना है जबकि अक्षर पटेल इस सत्र में उप कप्तान होंगे। गांगुली के मार्गदर्शन में कोलकाता में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन हुआ जिसमें पृथ्वी साव, इशांत शर्मा, चेतन सकारिया, मनीष पांडे के अलावा अन्य घरेलू खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा, ''आईपीएल अभी एक महीने दूर है और सत्र अभी शुरू हुआ है। जितना क्रिकेट वे खेलते हैं उसे देखते हुए सभी खिलाड़ियों को एक साथ लाना मुश्किल है। चार या पांच खिलाड़ी ईरानी ट्रॉफी खेल रहे हैं। सरफराज की अंगुली में चोट लगी है। उनकी अंगुली में फ्रेक्चर नहीं है।

मयंक करेंगे शेष भारत की कप्तानी

मुंबई ,27 फरवरी 2023। कर्नाटक के सलामी बल्लेबाज और कप्तान मयंक अग्रवाल एक मार्च से होने वाले ईरानी कप मैच में शेष भारत की कमान संभालेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने सोमवार को इसकी घोषणा की। शेष भारत टीम ग्वालियर के रूप सिह स्टेडियम पर रणजी ट्रॉफी 2021-22 चैंपियन मध्य प्रदेश का सामना करेगी।

यह मुकाबला पहले इंदौर में होने वाला था लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट इंदौर स्थानांतरित होने के कारण ईरानी कप को ग्वालियर ले जाना पड़ा। शाह ने बताया कि सरफराज खान अपनी बायीं छोटी उंगली में हेयरलाइन फ्रैक्चर के कारण चयन के लिये उपलब्ध नहीं थे। अखिल भारतीय चयन समिति ने उनके प्रतिस्थापन के रूप में बाबा इंद्रजीत को स्क्वाड में शामिल किया है। मयंक हाल ही में समाप्त हुई रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

उनके साथ अभिमन्यू ईश्वरन पारी की शुरुआत करेंगे। दोनों ही खिलाड़ी भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मयंक ने भारत के लिये अपना आखिरी मुकाबला पिछले साल जून में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। ईश्वरन को दिसंबर 2022 में बंगलादेश के विरुद्ध हुई टेस्ट सीरीज के लिये 15-सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया था, हालांकि उन्हें एकादश में मौका नहीं मिल सका था।

सुदीप कुमार घरामी, यशस्वी जायसवाल, बाबा इंद्रजीत और यश ढुल शेष भारत के शीर्ष क्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। इस साल रणजी खिताब जीतने वाली सौराष्ट्र टीम से सिर्फ विकेटकीपर-सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई और वामहस्त तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को शेष भारत में जगह दी गयी है। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनाडकट ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध जारी टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हैं, इसलिये उन्हें शेष भारत में जगह नहीं दी गयी।

शेष भारत टीम - मयंक अग्रवाल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, बाबा इंद्रजीत, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), अतीत सेठ, सौरभ कुमार, हार्विक देसाई, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, चेतन सकारिया, आकाश दीप, मयंक मारकंडे , पुलकित नारंग, सुदीप कुमार घरामी।

कन्नड सिनेमा की एक और ब्लॉकबस्टर

हिन्दी सिनेमा को दक्षिण भारत का क्षेत्रीय सिनेमा जमकर टक्कर दे रहा है। पिछले कुछ सालों में क्षेत्रीय सिनेमा ने जिस तरह से हिन्दी भाषी दर्शकों को अपने साथ जोडने में कामयाबी प्राप्त की है उससे हिन्दी सिनेमा ने अभी तक कोई सबक नहीं लिया है। वहाँ का कथानक, कहानी का अंदाज और प्रस्तुतीकरण जुदा है। आरआरआर हो या फिर केजीएफ सीरीज, इन फिल्मों ने हिंदी दर्शकों की बेस्ट मूवीज ऑन स्क्रीन देखने की प्यास को बढ़ा दिया है। जिसका भरपूर फायदा साउथ सिनेमाई इंडस्ट्री उठा रही है। आने वाले समय में दक्षिण की कई ऐसी फिल्में हैं जो उत्तर भारत में धूम मचाने को तैयार हैं। हिन्दी सिनेमा को तमिल, तेलुगू से ज्यादा खतरा कन्नड़ सिनेमा से है। गत वर्ष आई कन्नड सिनेमा की केजीएफ-2 और कांतारा ने इस बात को साबित कर दिया है।

केजीएफ और कांतारा के बाद हिन्दी भाषी दर्शकों को एक और कन्नड़ फिल्म अपना दीवाना बनाने आ रही है। यह फिल्म है अभिनेता ध्रुव सरजा की मार्टिन, जिसे निर्माता पैन इंडिया, हिन्दी, कन्नड, मलयालम, तमिल और तेलुगू में प्रदर्शित करने जा रहा है। आज इस फिल्म का हिन्दी भाषा में टीजर जारी किया गया है, जिसे देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि यह फिल्म हिन्दी भाषी दर्शकों को एक नया अनुभव प्रदान करेगी। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म है। जिसे निर्माता इसी साल प्रदर्शित करने वाले हैं। इस फिल्म के टीजर को देखने के बाद आप इसके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार करेंगे।

इतना ही नहीं, मार्टिन के साथ कन्नड़ फिल्म स्टार किच्चा सुदीप, संदीप किशन और श्रिया सरन स्टारर फिल्म कब्जा भी जल्दी ही हिंदी सिनेमाघरों में धमाका करने की तैयारी कर रही है। ये दोनों ही पैन इंडिया रिलीज फिल्में हैं। जिन्हें मेकर्स हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में एक साथ रिलीज करेंगे।

रुबीना दिलैक ने रिवीलिंग ब्रा पहने फ्लॉन्ट किया हाई क्लीवेज

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से एक बार फिर से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक की बेबाकी थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक ने ब्रा के साथ इतनी छोटी स्कर्ट पहनी हुई है जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने झुकझुक कर पोज दिए हैं। ओपन हेयर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। अभिनेत्री के इस लुक को देख कर फैंस की आखें फटी की फटी रह गई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में रुबीना अपनी परफेक्ट बॉडी फ्लॉन्ट करते दिखीं। एक्ट्रेस इतनी ग्लैमरस लग रही थीं कि उनकी तस्वीरों से नजरें हटा पाना मुश्किल हो गया था। फोटोज में रुबीना की इतनी ज्यादा रिवीलिंग ब्रा पहनी हुई है कि कैमरे के सामने वो डीप नेक फ्लॉन्ट कर रही हैं।

हॉलीवुड क्रिटिक्स असोसिएशन अवॉर्ड्स में छाई आरआरआर

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर दुनियाभर में कमाई, सम्मान और पुरस्कार पा रही है। यह सिलसिला रुकता हुआ नजर नहीं आ रहा है। फिल्म ने बीते दिनों कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों की सूची में अपनी जगह बनाई। इन पुरस्कार कार्यक्रमों में राजामौली दुनियाभर के दिग्गज फिल्ममेकर्स से मिले। अब फिल्म ने हॉलीवुड क्रिटिक्स असोसिएशन अवॉर्ड में कई श्रेणियों में पुरस्कार अपने नाम किए। इस समारोह में राजामौली, रामचरण और एमएम कीरवानी मौजूद रहे।

ऑस्कर से पहले हॉलीवुड क्रिटिक्स असोसिएशन अवॉर्ड्स में आरआरआर की धूम देखने को मिली। यहां आरआरआर को कई श्रेणियों में पुरस्कार मिले। फिल्म को बेस्ट इंटरनैशनल फिल्म चुना गया। राजामौली और रामचरण ने यह पुरस्कार लिया। बेस्ट सॉन्ग के लिए नाटू-नाटू को चुना गया और एक बार फिर से एमएम कीरवानी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नजर आए। इनके अलावा फिल्म को बेस्ट स्टंट और बेस्ट एक्शन की श्रेणी में भी सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों से राजामौली गदगद नजर आए।

बेस्ट एक्शन फिल्म का पुरस्कार लेते हुए राजामौली ने अपने स्टंट कोरियोग्राफर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह बेस्ट एक्शन फिल्म है। हमने बेस्ट स्टंट भी जीता है, लेकिन सही मायनों में बेस्ट स्टंट का पुरस्कार स्टंट कोरियोग्राफर को मिलना चाहिए। मुझे खुशी होती अगर वो यहां होते। उनकी टीम हमारा मनोरंजन करने के लिए अपनी जान पर खेलती है। मैं सभी मुख्य पुरस्कार समितियों से निवेदन करना चाहूंगा कि वे स्टंट कोरियोग्राफर के लिए एक अलग श्रेणी बनाएं।

आरआरआर कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है। फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ऑरिजनल सॉन्ग के लिए गोल्डन ग्लोब पुरस्कार मिला था। इसके अलावा यह गाना इसी श्रेणी में ऑस्कर के लिए भी नामांकित है। हाल ही में फिल्म को क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्शन फिल्म और बेस्ट एक्टर इन एक्शन मूवी के लिए नामांकित किया गया है। इस श्रेणी में जूनियर एनटीआर और रामचरण का मुकाबला निकोलस केज, टॉम क्रूज और ब्रैड पिट से होगा।

ऑस्कर पुरस्कार की घोषणा 12 मार्च को होने वाली है। इससे पहले इस फिल्म को अमेरिका में फिर से रिलीज करने का फैसला लिया गया है। आरआरआर अमेरिका के लगभग 200 सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर की पुष्टि वेरिएंस फिल्म्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर की थी। वेरिएंस फिल्म ने लिखा, आरआरआर फाइनल ट्रेलर। जश्न शुरू होने दें। एसएस राजामौली की उत्कृष्ट कृति फिल्म आरआरआर 3 मार्च से देशभर में 200 से अधिक सिनेमाघरों में वापसी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री विनोद वर्मा, उत्तरप्रदेश के पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू और श्री गुरदीप सिंह सप्पल भी उपस्थित थे ।

अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिला ने कराया मुंडन

देखकर हैरान रह गए लोग

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। राजधानी में अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिलाओं का गुस्सा सोमवार को और भड़क गया। एक महिला तो इतनी नाराज थी कि उसने रोते हुए मुंडन कर लिया है। उसका कहना है कि मुझे नौकरी दी जाए। मेरे पति की मौत के बाद से मैं परेशान हूं। दरअसल, अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 4 महीने से अनुकंपा नियुक्ति संघ के बैनर तले महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं। मगर अब तक बात नहीं बनी है।

बूढ़ातालाब धरना स्थल पर महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। इसके पहले अलग-अलग तरह से ये लोग प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी कड़ी में सोमवार को शांति साहू नाम की महिला ने मुंडन करवाा लिया। उसके पति की अस्थमा अटैक की वजह से मौत हुई है। महिला बिलाईगढ़ से यहां प्रदर्शन करने के लिए आई है। मुंडन करवाते हुए शांति ने बताया कि हम यहां परेशान हैं। मगर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। हमारी आवाज सरकार नहीं सुन रही है। वहीं संघ की अध्यक्ष माधुरी मृघे का कहना है कि राज्य सरकार ने उन्हें अनाथ की तरह अकेला छोड़ दिया। धरने में बैठी महिलाओं के यहां किसी के पति की मौत हो चुकी है, किसी के पिता की तो किसी के बेटे की मौत हो चुकी है। उनके घर को चलाने वाला कोई नहीं है। हम सभी आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। आगे मृघे ने कहा सरकार का बजट सत्र आने वाला है। उन्हें हमारी मांगे पूरी करनी चाहिए। यदि मांग पूरी नहीं होती तो धरने पर बैठी सभी महिलाएं अपने सिर का मुंडन करवाएंगी।

दरअसल, ये सभी महिलाएं प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आई हैं और रायपुर में 20 अक्टूबर 2022 से लगातार आंदोलन कर रही हैं। ये सभी पंचायत स्तर के उन शिक्षकों की पत्नियां हैं, जिनकी हादसे या बीमारी की वजह से मौत हो गई। इनका कहना है कि सरकारी नौकरी में कमाने वाले व्यक्ति की मौत के बाद परिवार के किसी एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का नियम होता है। मगर इन्हें आज तक नौकरी नहीं मिला है।

कई दिनों से अनुकंपा नियुक्ति संघ के बैनर तले महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं। इसके पहले यह महिलाएं मंत्री रविंद्र चौबे के घर कटोरा लेकर पहुंच गई थीं। साथ ही इन्होंने दंडवत होकर मंदिर यात्रा, बूढ़ातालाब में जल समाधी जैसे कई प्रकार से प्रदर्शन भी किये हैं।

कारोबारी के घर छापा के लिए पहुंची ईडी की टीम

महाधिवेशन का संभाल रहे थे प्रबंधन सीएम भूपेश बोले - भाजपा हद पार कर रही

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। पूरे देश भर में इस समय ईडी एनआईए की टीमें लगातार छापेमारी कर रही है। वहीँ छत्तीसगढ़ में भी लगातार टीम छापेमारी कर अधिकारी और कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दे रही है। वहीँ कांग्रेस के महाधिवेशन के वक्त भी एक कारोबारी के घर पर श्वष्ठ ने दबिश दी है।

सीएम भूपेश ने इस पर ट्वीट करते हुए लिखा कि मेरे साथियों के घर ईडी के छापे से महाधिवेशन नहीं रोक पाए तो शनिवार को अधिवेशन का प्रबंधन संभाल रहे कारोबारी के घर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि कारोबारी कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान अधिवेशन का कार्यभार संभाल रहे थे। सीएम ने लिखा खीझ और राजनीतिक दुर्भावना में भाजपा हदें पार कर रही है। मेरे साथियों के घर ईडी के छापे से महाधिवेशन नहीं रोक पाए तो अधिवेशन का प्रबंधन संभाल रहे कारोबारी के घर पहुंच गए। मेरे साथियों के घर ईडी के छापे से ष्महाधिवेशन नहीं रोक पाए तो अधिवेशन का प्रबंधन संभाल रहे कारोबारी के घर पहुंच गए।

उन संदिग्ध लोगों ने अपने को ईडी का अधिकारी बताया लेकिन न अपना परिचय पत्र दिखाया न कोई वारंट। धमकियां दीं। भाजपा के आरोपों के जवाब मांगे। और फिर आने की बात कहकर चले गए। लाख कोशिशें कीं लेकिन कांग्रेस का महाधिवेशन किसी भी तरह नहीं रोक पाए। तानाशाही का चेहरा बेनक़ाब हो गया है। लेकिन हम न डरे हैं न डरेंगे।

रायपुर तक पहुंची मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी की आंच

आप कार्यकर्ताओं ने किया भाजपा कार्यालय का घेराव

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ता आक्रोश में नजर आ रहे है राजधानी रायपुर में आम आदमी पार्टी के द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव किया जा रहा है वही प्रदर्शन करते हुए मोदी और भाजपा के विरोध में आम आदमी पार्टी द्वारा जमकर नारे बाजी को जा रही है ।

बता दें कि 2021 में दिल्ली में नई शराब नीति लाने के बाद भाजपा, क्क सरकार पर यह आरोप लगाते आ रही है कि आम आदमी पार्टी कुछ चुनिंदा लोगो को लाभ पहुंचाने यह नीति लेकर आई है । वहीं आम आदमी पार्टी का यह आरोप है कि दिल्ली में एमसीडी चुनाव हारने के बाद भाजपा खुन्नस खाई हुई है जिसका बदला भाजपा सीबीआई और ईडी के कंधे पर बंदूक चला कर ले रही है । आज के इस आंदोलन में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल उपेंडी, प्रदेश प्रभारी संजीव झा सहित तमाम आप पार्टी के महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता शामिल है।

क्या सीएम भूपेश ने अधिवेशन में नेताओं को पहनाई सोने की माला

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में 24 फरवरी से लेकर 26 फरवरी तक कांग्रेस का 85वां महाधिवेशन हुआ जो काफी भव्य स्तर पर हुआ। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लेकर आला कमान ने भी इस अधिवेशन में शिरकत की। तीन दिवसीय इस अधिवेशन में कई पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और छत्तीसगढ़ की संस्कृति की चर्चा देश-विदेश में हो इसका प्रयास भी किया गया।अब अधिवेशन ख़त्म हो गया है लेकिन अब अधिवेशन के बाद एक नए मामले ने तूल पकड़ लिया है। अधिवेशन ख़त्म होते ही एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है जिसमे सीएम भूपेश बघेल इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी नेताओं को एक माला पहना रहे हैं। सोशल मीडिया पर खूब हल्ला हुआ कि यह माला सोने की है लेकिन बाद में इसकी सच्चाई कुछ और ही निकल कर सामने आई।

सीएम भूपेश ने इसकी सच्चाई सामने लाते हुए लिखा झूठ बोलो, बार-बार झूठ बोलो, जितना ज़ोर से बोल सकते हो, उतना बोलो इस सूत्र पर चलने वाले इस अनमोल तोहफे का भी अपमान कर रहे हैं, साथ ही प्रकृति पुत्रों/पुत्रियों की कला और ष्छत्तीसगढ़ की संस्कृति का भी। आख़िर छत्तीसगढ़ के लोगों, यहाँ की संस्कृति से भाजपा को इतनी नफ़रत क्यों है ?

दरअसल जिस हार का सोने की माला कह कर प्रचार किया जा रहा है उसे बीरन कहते हैं। जिसे बैगा लोग सूताखर नाम की घास और मुआ के फूल की डंडी से हाथों से बनाते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांग जायज

भाजपा सरकार बनीं तो विचार करेंगे:डॉ रमन सिंह

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)।पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने गुरूर तहसील के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की धरना स्थल पर जाकर उनके मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि झूठी घोषणा पत्र के सहारे प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी है, जिसके चलते हर वर्ग आक्रोशित हैं। रमन सिंह व सांसद मोहन मंडावी गुरूर ब्लाक के ग्राम दर्रा में आयोजित साहू समाज के सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान नगर पंचायत गुरूर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के हड़ताल स्थल पर गए। यहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने डा. रमन सिंह व सासद मंडावी का स्वागत करते हुए अपने मांगों के संबंध में चर्चा की।

डा. रमन सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है। लोक लुभावने घोषणा पत्र के सहारे सत्ता में बैठ तो गए हैं, लेकिन घोषणा पत्र को पूरा न कर लोगों के साथ छलावा कर रहे हैं। इसके चलते प्रदेश में हर वर्ग आक्रोशित है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की मांग को जायज बताते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में यदि भाजपा की सरकार बनी तो निश्चित रूप से उनकी इन मांगों पर विचार किया जाएगा। वहीं कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर काफी उत्साहित हुए।

एजाज कुरैशी ने राज्यपाल रमेश बैस को 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने पर दी बधाई

रायपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। राज्यपाल रमेश बैस ने 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। छत्तीसगढ़ के नामी समाज सेवक एजाज कुरैशी ने राज्यपाल के मुलाक़ात कर दी बधाई एवं शुभकामनाएं रमेश बैस ने शनिवार को महाराष्ट्र के 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। बैस ने भगत सिंह कोश्यारी की जगह ली है। बैस को यहां राजभवन में बंबई उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस. वी. गंगापुरवाला ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बैस ने मराठी में शपथ ली। गौरतलब है कि शपथ ग्रहण समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे। बता दें सितंबर 2019 से महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में कार्य करने वाले कोश्यारी ने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से सौजन्य भेंट कर महाराष्ट्र के राज्यपाल बनने की बधाई व शुभकामनायें दी छत्तीसगढ़ के नामी समाज सेवक एजाज कुरैशी ने राज्यपाल के रूप में नये राज्य का दायित्व मिलने पर बधाई एवं में शुभकामनाएं दी। साथ ही दोनों ने एक-दूसरे को शाल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किये

नर्सिंग छात्रा से गैंगरेप की कोशिश करने पर पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस

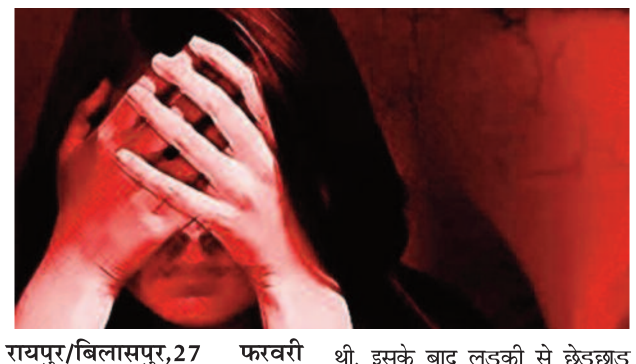

रायपुर/बिलासपुर,27 फरवरी 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के न्यायधानी में अपराध का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है. जहां लगातार चोरी,लूटपाट, हत्या, गैंग रेप जैसे वारदात को अपराधी अंजाम दे रहे है. वही एक बार फिर से बिलासपुर शहर के सरकंडा इलाके में नर्सिंग छात्रा से रेप करने की कोशिश की है, जिससे आरोपियों को पुलिस ने जुलुस निकाला है. वही आरोपियों ने बाइक अड़ाकर लड़की का रास्ता रोका था और उसके दोस्त की पिटाई भी की थी. इसके बाद लड़की से छेड़छाड़ कर संबंध बनाने के लिए आरोपी उसे झाड़ियों में ले जाने लगे.

जानकारी के मुताबिक, पीड़ति छात्रा अपने दोस्त के साथ लगरा स्थित गवर्नमेंट हॉस्टल में रहने वाली सहेली से मिलने जा रही थी. फिलहाल पुलिस ने नाबालिग समेत चारों आरोपियो गिरफ्तार कर लिया है. सभी आरोपी लगरा गांव के ही रहने वाले हैं. पुलिस ने आरोपियों से लूटे गए मोबाइल, नकद और बाइक जब्त की है.

मोबाइल चार्जिंग पर लगाकर खेल रहा था गेम अचानक हुआ ब्लास्ट फिर...

रायपुर ,27 फरवरी 2023 (ए)। रायपुर से एक बड़ी खबर आई है। यहां स्मार्टफोन ब्लास्ट होने से 11 वर्षीय बालक आयुष खेस गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी आंखों के कॉर्निया में गंभीर चोट आई है। परिजन उसे तुरंत अंबेडकर अस्पताल ले गए, जहां नेत्र रोग विभाग के डॉ. संतोष सिंह पटेल ने त्वरित ऑपरेशन कर उसे ठीक कर दिया। इस ऑपरेशन में डॉ. रेशु मल्होत्रा, डॉ. सुशील, डॉ. मोनिका, डॉ. वैभव, डॉ. साधना, डॉ. अंशु और डॉ. मधु शामिल थे।

डॉ. संतोष सिंह पटेल के अनुसार स्मार्टफोन या मोबाइल का ब्लास्ट इतना ज्यादा ख़तरनाक रहा कि आंख की कॉर्निया की चोट को ऑपरेशन पश्चात ठीक किया गया परंतु गंभीर आंतरिक चोट के कारण एक आंख की रोशनी आ पाना अब बहुत मुश्किल है। गंभीर हादसे के कारण एक आंख की रोशनी ही बचायी जा सकी।नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना सर्जन डॉ. संतोष सिंह पटेल केस के संबंध में आगे की

जानकारी देते हुए बताते हैं कि आयुष खेस को उसके माता- पिता स्मार्टफोन विस्फोट की हिस्ट्री के साथ डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग में लेकर आए। परिजनों के मुताबिक घटना उस समय घटी जब बच्चा 2 घंटे से ज्यादा समय तक फोन पर गेम खेल रहा था और उस दौरान उसका फोन चार्जिंग पर रखा हुआ था। लम्बे समय तक मोबाइल फोन को चार्ज में लगाकर गेम खेल रहा था, जिसके बाद यह घटना के घटी। बच्चे को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर ले जाया गया। वहां प्रायमरी उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रिफर कर दिया गया।

वहां से उसे डीकेएस अस्पताल रायपुर रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के बाद आंख में चोट लगने के कारण 20 फरवरी को नेत्र रोग विभाग भेजा गया। मरीज के सीने, पेट, चेहरे और दाहिने हाथ में कई चोटे आई थीं। कॉर्निया की चोट को ऑपरेशन पश्चात ठीक किया गया परन्तु गंभीर आंतरिक चोट के कारण एक आंख की रोशनी आ पाना अब बहुत मुश्किल है। हालांकि एक आँख की ही रोशनी बचायी जा सक। मरीज इस तरह से एक आंख और एक हाथ को खो चुका है।

एम्स की महिला कर्मचारी से रेप, रिटायर्ड कर्नल के खिलाफ केस दर्ज

रायपुर ,27 फरवरी 2023 (ए)। एम्स की महिला क्लर्क से रिटायर्ड कर्नल के द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता क्लर्क की शिकायत के बाद आरोपी कर्नल के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांज पुलिस कर रही है। घटना आमानाका थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, रिटायर्ड कर्नल का नाम राजेश सिंह है और वह रायपुर एम्स में इंजीनियरिंग विभाग में हेड के पद पर पदस्थ है। पीड़िता की थाने में दी शिकायत के मुताबिक वो एम्स के इंजीनियरिंग विभाग में क्लर्क है और उसी विभाग के हेड राजेश सिंह से उसकी बातचीत होती रहती थी। इस दौरान 2022 जून में आरोपी राजेश सिंह ने उसे झांसे में लेकर एम्स रेसीडेंसी के अपने कमरे में ले गया। यहां पर कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस बात की शिकायत उसने एम्स के उच्च अधिकारियों से भी की थी, पर उसकी शिकायत पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई। दुखी पीड़िता ने आमानाका थाने पहुंचकर इसकी शिकायत की। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)